राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार, 25 दिसंबर-2021 वर्ष-4,अंक-332 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

असित वोरा के इस्तीफे की मांग को लेकर ‘आप’ के चार नगर पार्षद अनशन पर उतरे

सूरत, राज्य में हेड क्लर्क की भर्ती परीक्षा के पर्चे लीक होने के बाद से कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) ने सरकार के खिलाफ आक्रामक रुख अपना रखा है। गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल के अध्यक्ष असित वोरा के इस्तीफे की मांग करते हुए आप के नगर पार्षद आज से अनशन पर उतर गए। बीते दिन सूरत महानगर पालिका में विपक्ष के नेता समेत पार्टी कार्यकर्ता कलेक्टर कचहरी में ज्ञापन देने गए थे, जिन्हें पुलिस ने हिरासत में लिया था। तीन दिन पहले गुजरात प्रदेश भाजपा मुख्यालय कमलम में आप कार्यकर्ताओं के उत्पात मचाने के बाद पुलिस ने गोपाल इटालिया समेत कई लोगों को हिरासत में ले लिया था। हिरासत में लिए गए आप नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ गैरजमानती धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है और फिलहाल सभी न्यायिक हिरासत में हैं। पेपर लीक मुद्दे पर आप द्वारा गुरुवार को सूरत में विरोध प्रदर्शन करने पर पुलिस ने शहर के चौक बाजार स्थित गांधी प्रतिमा के निकट से 40 और कलेक्टर कचहरी से 20 जितने नेताओं को हिरासत में ले लिया था। दूसरी ओर मंडल के अध्यक्ष असित वोरा की मांग को लेकर सूरत महानगर पालिका में विपक्ष के नेता धर्मेश भंडेरी, नगर पार्षद धर्मेन्द्र बावलिया, कुंदन कोठिया, विपुल सुहागिया आमरणांत अनशन पर बैठ गए। आप नेताओं का कहना है कि जब तक असित वोरा अपने पद से इस्तीफा नहीं देते तब तक उनका अनशन जारी रहेगा।

केन्टोन लेबोरेटरीज कंपनी में बॉइलर फटने से 4 कर्मचारियों की मौत,8 से ज्यादा घायल

वडोदरा,वडोदरा के वडसर ब्रिज के निकट स्थित केन्टोन लेबोरेटरीज कंपनी बॉइलर फटने की घटना में चार कर्मचारियों की मौत हो गई। जबकि 8 से

ज्यादा लोगों के घायल होने की खबर हैं। घायलों को वडोदरा के एसजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक वडोदरा के मकरपुरा जीआईडीसी में वडसर ब्रिज के निकट केन्टोन लेबोरेटरीज कंपनी में प्रचंड विस्फोट के बॉइलर फट गया। इस हादसे में बच्चों समेत 14 लोग बुरी तरह से झुलस गए। बॉइलर भटने के साथ ही कंपनी में आग भड़क उठी। इस घटना में चार लोगों की मौत हो गई। बॉइलर फटने से कंपनी में अफरातफरी मच गई। आलम यह था कि घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए एम्ब्युलैंस उपलब्ध नहीं होने से बच्चों समेत लोग जमीन पर कराहते रहे। खबर मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई और आग पर काबू पाया। एम्ब्युलैंस में घायलों को वडोदरा के एसजी अस्पताल पहुंचाया गया। केन्टोन लेबोरेटरीज कंपनी के परिसर में कर्मचारियों के लिए आवास बनाए गए हैं और उसके निकट ही बॉइलर फटा है। जिसमें कर्मचारियों के बच्चों समेत परिवार के कई सदस्य भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। विस्फोट इतना प्रचंड था कि आसपास की कंपनियां थर्रा उठी और धमाके की आवाज करीब एक किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। कंपनी की आसपास के घरों की दीवारें भी ढह गईं। घटना को लेकर कंपनी संचालकों ने मौन धारण कर लिया है। घटना के बाद तहसीलदार समेत वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। तहसीलदार के मुताबिक बॉइलर के निकट बने आवासों में कर्मचारी रहते थे। आवासे गैरकानूनी थे या नहीं, इसकी जांच की जा रही है। यदि गैरकानूनी होंगे तो इसके जिम्मेदारों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

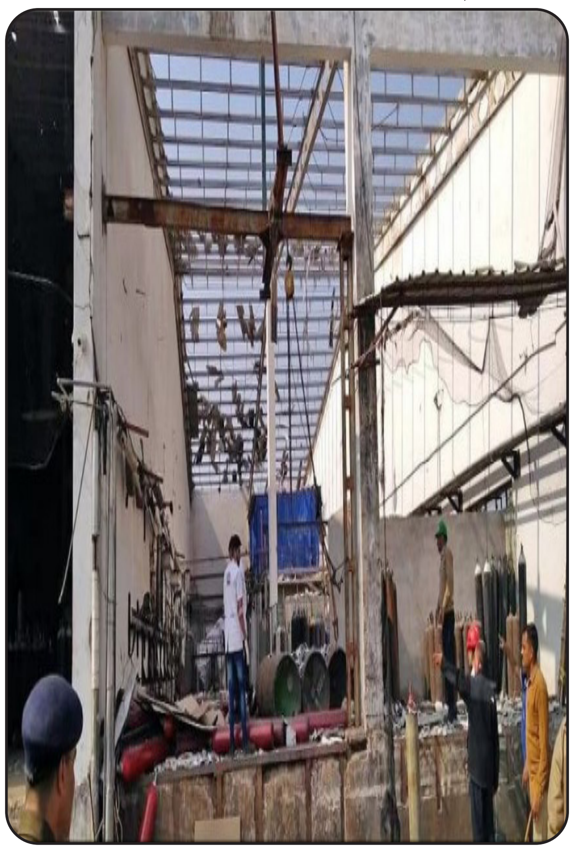

गुजरात के 8 महानगरों में रात्रि कर्फ्यू का समय 2 घंटे बढ़ा, रात 11 से सुबह 5 बजे रहेगा

गुजरात में कोरोना के साथ ही ओमिक्रॉन के लगातार बढ़ते मामले को देखते हुए रात्रि कर्फ्यू का समय दो घंटे बढ़ा दिया गया है। कल यानी 25 दिसंबर से रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक कर्फ्यू रहेगा। राज्य में कोरोना के मामले कम होने पर अब तक रात 1 बजे से सुबह 5 रात्रि कर्फ्यू रहता है। लेकिन कोरोना संक्रमण बढ़ने से सरकार ने रात्रि कर्फ्यू का समय बढ़ाने का फैसला किया है। गृह विभाग से जारी अधिसूचना के मुताबिक अहमदाबाद, गांधीनगर, वडोदरा, सूरत, भावनगर, राजकोट, जामनगर और जूनागढ़ समेत 8 शहरों में 25 दिसंबर से 31 दिसंबर तक रात्रिकालीन कर्फ्यू का समय बढ़ा दिया गया है। इन शहरों में अब रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तर्क कर्फ्यू रहेगा। नए

आदेश के बाद इन 8 शहरों में दुकानें, रेस्टोरेंट, व्यावसायिक संस्था, लारी-गल्ले, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, मार्केटिंग यार्ड, साप्ताहिक हाट, हेयर कटिंग सलून, ब्यूटी पार्लर समेत व्यावसायिक गतिविधियां 11 बजे तक ही जारी रहेंगी। अब तक इन्हें रात 12 बजे खुला रखने की छूट थी, परंतु राज्य में कोरोना संक्रमण बढ़ने से सरकार ने कर्फ्यू दो घंटे के लिए बढ़ा दिया है।

पिल्ले का नाम पड़ौसी की पत्नी पर रखने से महिला को जिंदा जलाया, अस्पताल में मौत

भावनगर, जिले के पालीताणा से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसमें एक विवाहित महिला ने पिल्ले के नाम पड़ौसी की पत्नी के नाम से रख दिया। जिससे भड़का पड़ौसी विवाहिता के घर में घुस गया और उसे जिंदा जला दिया। गंभीर हालत में महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। भावनगर जिले के पालीताणा शहर के शक्तिनगर क्षेत्र में रहनेवाली 35 वर्षीय नीता जेन्तीभाई सरवैया नामक एक विवाहित महिला ने अपने कुत्ते के पिल्ले का नाम पड़ौसी शख्स की पत्नी के नाम से रख दिया। जिसे लेकर पड़ौस में रहनेवाला घेला आलगोतर नामक शख्स भड़क गया और सूरा आलोगतर, राजु गलाणी समेत 8 लोग विवाहिता के घर में घुस गए। जहां महिला पर केरोसिन छिड़का और उसे आग के हवाले कर दिया। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के वक्त महिला को 6 वर्षीय बेटा नंदराज वहीं मौजूद था। मासूम बच्चे नंदराज की नजरों के सामने ही दरिंदे उसकी माता को जिंदा जला रहे थे और वह कुछ नहीं कर पा रहा था। आग में गंभीर रूप से झुलसी नीता सरवैया को पहले पालीताणा के मानसिंह अस्पताल और बाद में भावनगर के सर टी अस्पताल पहुंया गया था। आग में करीब 80 प्रतिशत झुलस चुकी नीता सरवैया ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। जांच में पता चला कि करीब पांच महीने पहले महिलाओं के मुद्दे पर झगड़ा हुआ था। हांलाकि झगड़े का समाधान हो गया था। इस बीच नीता सरवैया जर्मन शेफर्ड ब्रिड का पिल्ला ले आई और उसका नाम सोनु रख दिया। नीता सरवैया के पड़ौस में रहनेवाले सूरा आलगोतर की पत्नी का नाम भी सोनु था। जिसे लेकर सूरा आलगोतर ने अपने साथियों के साथ विवाहिता नीता सरवैया पर हमला कर दिया और उसे जिंदा जला दिया। नीता सरवैया की तीन संतानों में दो पुत्र और एक पुत्री है। घटना के वक्त मौजूद नंदराज स्कूल से घर भोजन करने आया था और उसी वक्त दरिंजों ने उसकी माता को जिंदा फूंक दिया।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार — काम की समाप्ति संतोषप्रद हो तो परिश्रम की थकान याद नहीं रहती। - कालिदास

संपादकीय

पंजाब की चिंता

पंजाब में माहौल का निरंतर संवेदनशील होते जाना चिंताजनक है। पिछले दिनों से बेअदबी की घटनाओं को लेकर वैसे ही तनाव है और अब गुरुवार दोपहर लुधियाना कोर्ट परिसर में हुए विस्फोट ने एक अलग ही चिंता का संचार कर दिया है। विस्फोट में दो लोगों की मौत भी हुई है और करीब पांच घायल हुए हैं। अदालत में और वह भी दूसरी मंजिल पर स्थित शौचालय में हुआ विस्फोट अनेक सवाल खड़े कर रहा है। आशंका जताई जा रही है कि हमला कहीं और करना था, लेकिन उसकी तैयारी में ही विस्फोट हो गया। यह किस तरह का विस्फोट है और विस्फोटक अदालत परिसर में कैसे लाया गया? क्या अदालत परिसरों में प्रवेश से पहले जांच का तंत्र इतना कमजोर है? असली साजिश क्या थी? सुरक्षा एजेंसियां जांच में जुट गई हैं। पूरे पंजाब में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। यह घटना सबक है, देश में बाकी अदालतों को भी अपनी सुरक्षा चाक-चौबंद करने पर गौर करना चाहिए। जजों को अपनी-अपनी अदालत में सुरक्षा का स्वयं जायजा लेना चाहिए और सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसी वारदात फिर न हो। विस्फोट के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय भी अलर्ट है। इसमें कोई शक नहीं है कि इस मामले को चुनाव से जोड़कर देखा जाएगा। बेअदबी की घटनाओं को भी चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा था। ये कौन लोग हैं, जो बेअदबी जैसे पागलपन का दुस्साहस कर रहे हैं। यह समाज अपनी आस्था को लेकर अत्यधिक सजग रहा है। समाज में ऐसे लोग हैं, जो कतई बेअदबी बर्दाश्त नहीं करेंगे, समाज में सभी लोग मन में समान दया भाव नहीं रखते हैं। कुछ लोगों में तत्काल दंड देने की भावना होती है, जबकि कानून ऐसी इजाजत किसी को नहीं देता है। अत- जब भी आस्था का प्रश्न आए, हर किसी को सावधान रहना चाहिए। किसी की आस्था के प्रति बेअदबी का कोई भी कृत्य हैवानियत से कम नहीं है। सरकार और समाज, दोनों की जिम्मेदारी है कि किसी भी तरह की बेअदबी को रोका जाए। लेकिन क्या इन घटनाओं का चुनाव से वाकई कोई संबंध है? बेअदबी की घटनाओं का भले चुनाव से सीधा संबंध न हो, लेकिन जिस तरह से पंजाब में किसान पटरियों पर बैठ रहे हैं, उसका सीधा संबंध चुनाव से है। लगातार चार दिनों से हजारों किसान जगह-जगह पटरियों पर बैठे हुए हैं। किसान मंजदूर संघर्ष समिति के बैनर तले प्रदर्शनकारी किसान ऋण माफी, टोलटैक्स माफी व किसान आंदोलन के दौरान जान गंवाने वालों के लिए मुआवजा मांग रहे हैं। इन प्रदर्शनों के चलते 400 से भी अधिक ट्रेनों की आवाजाही बाधित हो चुकी है। चुनाव से ऐन पहले अपनी मांगें मनवाने की यह कोशिश आसानी से समझ में आती है। क्या पंजाब में किसान मांगें माने जाने तक पटरियों से नहीं उठेंगे? क्या यह आंदोलन और उसका तरीका सही है? सड़क, पटरी पर बैठ जाने की प्रवृत्ति दुखद भी है और शर्मनाक भी। पंजाब सरकार का कर्तव्य है कि वह किसानों को संतुष्ट करे और अनावश्यक राजनीति न होने दे। उनकी जायज मांगों को मानकर और मुश्किल मांगों पर विचार का आश्वासन देकर भी समाधान निकाला जा सकता है। खैर, पंजाब में जिस तरह से तनाव बढ़ रहा है, उसके मद्देनजर दूसरे चुनावी राज्यों में भी शासन-प्रशासन को सजग रहना चाहिए, ताकि कहीं भी असामाजिक तत्व गड़बड़ी न फैलाने पाएं।

कब लगेगा बोरवेल हादसों पर विराम?

– योगेश कुमार गोयल

मध्य प्रदेश में गहरे बोरवेल में गिरी डेढ़ वर्षीया बच्ची को 10 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस तथा राज्य आपदा आपातकालीन रिजर्व बल (एसडीईआरएफ) ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घटना 16 दिसंबर की है, जब भोपाल से करीब 350 किलोमीटर दूर छतरपुर जिले के नौगांव थाना क्षेत्र में राकेश कुशवाहा की बेटी दिव्यांशी खेत में खेलते हुए 80 फुट गहरे बोरवेल में गिर गई। बोरवेल में बच्ची के गिर जाने पर जोर-जोर से रोती उसकी मां की आवाज सुनकर जब आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो किसी ने स्थानीय पुलिस को इसकी सूचना दी। बच्ची 80 फुट गहरे बोरवेल में करीब 15 फीट की गहराई पर फंसी हुई थी, जिसे बचाव दल द्वारा ऑक्सीजन सपोर्ट दिया गया और बच्ची की हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए बोरवेल में सीसीटीवी कैमरे डाले गए। आखिरकार बचाव टीमों द्वारा 17 दिसंबर की सुबह करीब एक बजे बच्ची को बोरवेल से सही-सलामत निकाला गया। भोपाल की दिव्यांशी को तो बचाव दल ने कड़ी मशक्कत के बाद बचा लिया लेकिन बोरवेल में गिरने वाला हर बच्चा दिव्यांशी जितना भाग्यशाली नहीं होता। हर साल बोरवेल में बच्चों के गिरने के अबतक कई मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें से अधिकांश की बोरवेल के भीतर ही दम घुटकर मौत हो जाती है। चिंता की बात यह है कि ऐसे हादसों पर पूर्णविराम लगाने के लिए कहीं कोई कारगर प्रयास होता नहीं दिखता। बोरवेल हादसे पिछले कुछ वर्षों से जागरूकता के बावजूद निरन्तर सामने आ रहे हैं किन्तु इनसे सबक सीखने को कोई तैयार नहीं दिखता। ऐसे मामलों में अक्सर सेना-एनडीआरएफ की बड़ी विफलताओं को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं कि अंतरिक्ष तक में अपनी धाक जमाने में सफल हो रहे भारत के पास चीन तथा कुछ अन्य देशों जैसी वो स्वचालित तकनीक क्यों नहीं है, जिनका इस्तेमाल कर ऐसे मामलों में बच्चों को अपेक्षाकृत काफी जल्दी बोरवेल से बाहर निकालने में मदद मिल सके। सवाल यह है कि आखिर बार-बार ऐसे दर्दनाक हादसों के बावजूद देश में बोरवेल और ट्यूबवैल के गड्ढे कब तक इसी प्रकार खुले छोड़े जाते रहेंगे। कब तब मासूम जानें इनमें फंसकर इसी तरह दम तोड़ती रहेंगी। कोई भी बड़ा हादसा होने के बाद प्रशासन द्वारा बोरवेल खुला छोड़ने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर सख्ती की बातें तो दोहरायी जाती हैं लेकिन बार-बार सामने आते ऐसे हादसे यह बताने के लिए पर्याप्त हैं कि सख्ती की ये सब बातें कोई घटना सामने आने पर लोगों के उपजे आक्रोश के शांत होने तक ही बरकरार रहती हैं। ऐसे हादसों के लिए बोरवेल खुला छोड़ने वाले खेत मालिक के साथ-साथ ग्राम पंचायत और स्थानीय प्रशासन भी बराबर के दोषी होते हैं। मध्य प्रदेश के देवास जिले में खातेगांव कस्बे के उमरिया गांव में हीरालाल नामक व्यक्ति को अपने खेत में सूखा बोरवेल खुला छोड़ देने के अपराध में जिला सत्र न्यायालय ने करीब दो साल पहले दो वर्ष सश्रम कारावास तथा 20 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई थी। अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि लोग बोरवेल कराकर उन्हें इस प्रकार खुला छोड़

देते हैं, जिससे उनमें बच्चों के गिरने की घटनाएं हो जाती हैं और समाज में बढ़ रही लापरवाही के ऐसे मामलों में सजा देने से ही लोगों को सबक मिल सकेगा। अगर मध्य प्रदेश में जिला अदालत के उसी फैसले की तरह ऐसे सभी मामलों में त्वरित न्याय प्रक्रिया के जरिये दोषियों को कड़ी सजा मिले, तभी लोग खुले बोरवेल बंद करने को लेकर सक्रिय होंगे अन्यथा बोरवेल इसी प्रकार मासूमों की जिंदगी छीनते रहेंगे और हम मासूम मौतों पर घड़ियाली आंसू बहाने तक ही अपनी भूमिका का निर्वहन करते रहेंगे। अब तक अनेक मासूम जिंदगियां बोरवेल में समाकर जिंदगी की जंग हार चुकी हैं किन्तु विडंबना है कि सुप्रीम कोर्ट के सख्त निर्देशों के बावजूद कभी ऐसे प्रयास नहीं किए गए, जिससे ऐसे मामलों पर अंकुश लग सके। देश में प्रति वर्ष औसतन 50 बच्चे बेकार पड़े खुले बोरवेलों में गिर जाते हैं, जिनमें से बहुत से बच्चे इन्हीं बोरवेलों में जिंदगी की अंतिम सांस लेते हैं। ऐसे हादसे हर बार किसी परिवार को जीवन भर का असहनीय दुख देने के साथ-साथ समाज को भी बुरी तरह झकझोर जाते हैं। भूगर्भ जल विभाग के अनुमान के अनुसार देशभर में करीब 2.7 करोड़ बोरवेल हैं लेकिन सक्रिय बोरवेलों की संख्या, अनुपयोगी बोरवेलों की संख्या तथा उनके मालिक का राष्ट्रीय स्तर का कोई डाटाबेस मौजूद नहीं है। बोरवेलों में बच्चों के गिरने की बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट ने 2010 में ऐसे हादसों पर संज्ञान लेते हुए कुछ दिशा-निर्देश जारी किए थे। 2013 में कई दिशा-निर्देशों में सुधार करते हुए नए दिशा-निर्देश जारी किए गए थे, जिनके अनुसार गांवों में बोरवेल की खुदाई सरपंच तथा कृषि विभाग के अधिकारियों की निगरानी में करानी अनिवार्य है जबकि शहरों में यह कार्य ग्राउंड वाटर डिपार्टमेंट, स्वास्थ्य विभाग तथा नगर निगम इंजीनियर की देखरेख में होना जरूरी है। अदालत के निर्देशानुसार बोरवेल खुदवाने के कम से कम 15 दिन पहले डीएम, ग्राउंड वाटर डिपार्टमेंट, स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम को सूचना देना अनिवार्य है। बोरवेल की खुदाई से पहले उस जगह पर चेतावनी बोर्ड लगाया जाना और उसके खतरे के बारे में लोगों को सचेत किया जाना आवश्यक है। इसके अलावा ऐसी जगह को कंटीले तारों से घेरने और उसके आसपास कंक्रीट की दीवार खड़ी करने के साथ गड्ढों के मुंह को लोहे के ढक्कन से ढंकना भी अनिवार्य है लेकिन इन दिशा-निर्देशों का कहीं पालन होता नहीं दिखता। दिशा-निर्देशों में स्पष्ट है कि बोरवेल की खुदाई के बाद अगर कोई गड्ढा है तो उसे कंक्रीट से भर दिया जाए लेकिन ऐसा न किया जाना हादसों का सबब बनता है। ऐसे हादसों में न केवल निर्बोध मासूमों की जान जाती है बल्कि रेस्क्यू ऑपरेशनों पर अथाह धन, समय और श्रम भी नष्ट होता है। प्रायः होता यही है कि तेजी से गिरते भू-जल स्तर के कारण नलकूपों को चालू रखने के लिए कई बार उन्हें एक जगह से दूसरी जगह स्थानांतरित करना पड़ता है। पानी कम होने पर जिस जगह से नलकूप हटाया जाता है, वहां लापरवाही के चलते बोरवेल खुला छोड़ दिया जाता है। कहीं बोरिंग के लिए खोदे गए गड्ढों या सूख चुके कुओं को बोरी, पॉलीथीन या लकड़ी के फट्टों से ढांप दिया जाता है तो कहीं इन्हें पूरी तरह से खुला छोड़ दिया जाता है। अनजाने में ही कोई ऐसी अप्रिय घटना घट जाती है तो परिवार को जिंदगी भर का असहनीय दर्द दे जाती है। न केवल सरकार बल्कि समाज को भी ऐसी लापरवाहियों को लेकर चेतना होगा ताकि भविष्य में फिर ऐसे दर्दनाक हादसों की पुनरावृत्ति न हो। देश में ऐसी स्वचालित तकनीकों की भी व्यवस्था करनी होगी, जो ऐसी विकट परिस्थितियों में तुरंत राहत प्रदान करने में सक्षम हों।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार है।)

कभी डायन, 'शेरनी' बनी तो पद्मश्री

अरुण नैथानी

सजिश रचकर किसी महिला को डायन बताने का घृणित खेल देश में दशकों से जारी रहा। सैकड़ों महिलाएं इस अमानवीय क्रूरता की शिकार बनीं। आदिवासी व पिछड़े ग्रामीण इलाकों में एक सुनियोजित साजिश रचकर किसी महिला को डायन करार देने के पीछे मकसद किसी परिवार को प्रताड़ित करना, निहित स्वार्थों की पूर्ति तथा दुश्मनी निकालना रहा है। इस अमानवीय साजिश की शिकार हमेशा बेकसूर महिलाएं रहीं। साजिश में गांव के दबंग और ओझा तक की संदिग्ध भूमिका रही है। पंचायतें दबंगों के इशारे पर चलती, पुलिस समय रहते कार्रवाई नहीं करती तथा प्रशासन समय रहते नहीं जागता, जनप्रतिनिधि आपराधिक चुप्पी ओड़ लेते। इसी डायन कुप्रथा की क्रूरता का शिकार हुई झारखंड के सरायकेला खरसावां जिले की छुटनी देवी ने अमानवीय यातना सहने, घर से उजड़ने के बावजूद न केवल अपनी व बच्चों की जान बचाई, बल्कि एक जोरदार मुहिम डायन साजिश की शिकार महिलाओं को बचाने के लिये चलाई। एक स्वयंसेवी संगठन की मदद से न केवल सैकड़ों पीड़ितों का संरक्षण व पुनर्वास किया, बल्कि डायन कुप्रथा उन्मूलन कानून भी बनवाने का दबाव बनाया। पिछले दिनों झारखंड की 'शेरनी' कही जाने वाली छुटन देवी को इस योगदान के लिये राष्ट्रपति भवन में पद्मश्री से सम्मानित किया गया। छुटनी देवी तीन कक्षा ही पढ़ सकी थी कि बारह साल की उम्र में उसकी शादी सरायकेला के महताडडीह गांव के धनंजय महतो से कर दी गई। जल्दी ही तीन बच्चे भी हो गये। वह एक सुंदर स्त्री थी और कामांध लोगों की आंखों में खटकती थी। फिर उसके खिलाफ साजिश रची जाने लगी। घर में चोरी करवाई गई। सितंबर, 1995 की बात थी। पड़ोस की एक लड़की बीमार हुई तो आरोप लगा कि उसके डायन होने की वजह से यह हुआ। साजिश में ओझा भी शामिल था। पंचायत हुई तो दबंगों के पक्ष में और पांच सौ रुपये जुर्माना लगाया। ओझा ने पंचायत में लड़की से कहलवाया कि सपने में छुटनी महतो दिखती है। उसे पेड़ से बांधकर पीटा गया। ओझा ने कहा कि डायन भगाने के लिये महिला को मैला पिलाया जाये, जो बचने की कोशिश में उसके शरीर पर गिरा। पुलिस में गई तो रिपोर्ट लिखने के पैसे मांगे। कुछ गिरफ्तार हुए तो कुछ छूट गये। विधायक से कहा तो सुनी नहीं। वह घर छोड़कर गांव के बाहर झोपड़ी बनाकर रहने लगी। उसकी हत्या की साजिश रची गई तो भनक लगने पर वह बच्चों को लेकर भाग खड़ी हुई। एक दिन पेड़ के नीचे रही। फिर अपने मायके आ गई, जहां उसके भाइयों ने उसकी मदद की। उसे जमीन दी और पैसे भी। गांव में भी लोग उसे देखकर दरवाजे बंद कर देते थे कि डायन आ गई। उसे सामान्य होने में पांच साल लगे। पति भी तीन बच्चे उसके साथ छोड़कर चला गया। फिर छुटनी देवी ने संकल्प लिया कि वह इस अमानवीय कुप्रथा के खिलाफ आवाज बुलंद करेगी और पीड़ित महिलाओं के पुनर्वास के लिये काम करेगी। उसके पुनर्वास व लड़ाई में फ्री लीगल एड कमेटी यानी फ्लैक ने योगदान किया। वह इस संस्था के बैनर तले काम करने लगी। वह सरायकेला खरसावां जिले के बीरबांस इलाके में डायन कुप्रथा के खिलाफ मुहिम चलाती है। छुटनी ने इस कुप्रथा के खिलाफ न केवल जंग लड़ी बल्कि झारखंड, बंगाल, बिहार और ओडिशा की करीब दो से अधिक महिलाओं को इंसाफ दिलाकर उनका पुनर्वास भी करवाया। उसे जहां भी अन्याय होने की खबर मिली, वहां पहुंचकर उसने मोर्चा संभाला। उसके इस योगदान को देखते हुए लोग उसे 'शेरनी' तो कोई 'देवी' कहते हैं। वह कहती है कि 'मैं अंतिम सांस तक इस अमानवीय कुप्रथा के खिलाफ युद्ध करती रहूंगी। उसका मानना है कि इस समस्या का अंतिम इलाज कानून को प्रशासन द्वारा तुरंत सख्ती से लागू करना ही है।' गजब के हौसलों वाली छुटनी ने बड़ा काम कर दिया है। वह भले ही पढ़ी-लिखी न हो, मगर हिंदी, बांग्ला व उड़िया धाराप्रवाह बोल लेती है। सम्मान से उत्साहित छुटनी कहती है कि इसमें मेरे तमाम सहयोगियों का योगदान है, मैं जीवनपर्यंत इस प्रथा के खिलाफ लड़ती रहूंगी। निस्संदेह, छुटनी के सार्थक प्रयासों से बिहार समेत छह राज्यों में डायन कुप्रथा उन्मूलन कानून बना। लेकिन स्थानीय स्तर पर प्रशासन का आर्थिक सहयोग नहीं मिला। जनप्रतिनिधि भी उनसे मिलने आये, लेकिन कोई ठोस मदद नहीं मिली। वह अपने खर्चे पर दस-पंद्रह डायन कुप्रथा पीड़ित महिलाओं को खाना तक खिलाती रहती है। आज उसके साथ सत्तर महिलाओं का समूह सक्रिय है। जहां से भी डायन कुप्रथा के नाम पर उत्पीड़न की खबर मिलती है, वे तुरंत बचाव के लिये वहां पहुंच जाती है। छुटनी ने इन महिलाओं को विभिन्न गांवों का पहरेदार बना रखा है। जैसे ही कोई सूचना मिलती है, सभी एकत्र होकर बचाव के लिये निकल पड़ती हैं। कभी 'गांव की आफत' के नाम से पुकारे जाने वाली छुटनी देवी आज उद्धारक देवी बन गई हैं। स्वयंसेवी संस्था 'आशा' के सहयोग से चलने वाला डायन कुप्रथा पीड़ितों का पुनर्वास केंद्र आज बेसहारा महिलाओं का मंदिर बन चुका है। कभी डायन कुप्रथा के चलते अमानवीय त्रासदी झेलने वाली छुटनी आज बहुत बड़ी हो गई है। उसके साथ समाज, कानून व प्रशासन का समर्थन है। उसकी मजबूत टीम हर पल उसके साथ खड़ी होती है। पद्मश्री मिलने से उसका मनोबल बढ़ा है। वह अंधविश्वास के खिलाफ मुहिम चलाने वाले संगठन की ऊर्जा बन गई है। डायन कुप्रथा पीड़ितों की मसीहा है। पिछले दो दशक में सैकड़ों निर्दोष महिलाओं की डायन कुप्रथा के चलते हत्या के बाद अब समाज में इसके खिलाफ मजबूत प्रतिरोध उत्पन्न हुआ है।

आज के कार्टून

किसानी

जग्गी वासुदेव

भारत में 50 फीसद से ज्यादा जमीन पर खेती- होती है। इसका अर्थ ये है कि हम 50 फीसद से ज्यादा जमीन को लगातार जोत रहे हैं, बिना किसी विराम के। लेकिन यदि हम खेती में ज्यादा वैज्ञानिक प्रक्रिया लाएं, तो केवल 30 फीसद जमीन ही समस्त भारतीयों को खिलाने के लिए पर्याप्त है। यह संस्कृति खास तौर पर दक्षिण भारत में कर्नाटक में थी कि उन पेड़ों को वे अपने बेटों, बेटियों के नाम दे देते थे। जब एक बेटी के विवाह का अवसर आता था तो वे एक पेड़ काट डालते और उससे सारा खर्च निकल जाता था। अभी हम जिस ढंग से खेती कर रहे हैं वह पिछले 1000 साल से वैसा ही है, कुछ भी नहीं बदला। बाहर से दिखने वाले तमाम आधुनिक उपकरणों के बावजूद। ये बहुत ही अकुशल ढंग से की जा रही है। उदाहरण के लिए, भारत में 1 किग्राचावल उगाने के लिए 3500 लीटर पानी खर्च होता है। चीन में इससे आधे में काम चल जाता है और उनकी उत्पादकता हमारी उत्पादकता से दोगुनी है। हमें अपनी खेती में आधुनिक विज्ञान का ज्यादा उपयोग करना चाहिए। हमारे विश्वविद्यालयों में बहुत सारे वैज्ञानिक हैं, बहुत ज्ञान उपलब्ध है, बहुत तकनीकें हैं लेकिन वह खेती की जमीन तक नहीं पहुंच रहा। हमने अपने अभियान 'रैली फॉर रिवर्स' के दौरान तीन वियतनामी विशेषज्ञों को बुलाया था क्योंकि वियतनाम फलों का एक बड़ा निर्यातक देश है। जब हमने उनसे बात करनी शुरू की तो वे हम पर हंस रहे थे। उन्होंने कहा,'22 साल पहले, हम तीनों दिल्ली के एग्रीकल्चर कॉलेज में पढ़ते थे। हमनें वहां से सब कुछ सीखा और वो सारी बातें हमनें अपनी जमीन पर आजमाई। आप के पास सब ज्ञान है पर आप लोग बस रिसर्च पेपर लिखते हैं और अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में जाते हैं। आप वो चीजें जमीन पर नहीं करते। यही आप की समस्या है'। उसने आंखें खोलने वाली सच्चाई से मुझे रुबरु करया था। इससे शायद ही कोई इंकार करे। यह त्रासदी है हमारे कृषि अनुसंधान क्षेत्र की। इसीलिए हम तमिलनाडु एग्रीकल्चर यूनिर्वसटी और कोयम्बटूर के फारेस्ट कॉलेज के साथ मिल कर काम कर रहे हैं, जिससे हमारे विश्वविद्यालयों में उपलब्ध ज्ञान, तकनीकी जानकारी का इस्तेमाल खेती की जमीनों पर किया जा सके। इसके बेहतर रिजल्ट आने की उम्मीद है।

सू-दोकू नवताल -1999

4	8			2	9		5	7
6	1		4	7			9	8
				5		3		
	9		5		2	6		4
5	2						8	1
8		4	7		1		2	
		8		6				
1	5			3	7		6	9
7	4		9	1			3	2

सू-दोकू 1998 का हल

9	2	1	5	8	6	4	7	3
7	5	6	4	2	3	1	9	8
8	4	3	1	9	7	5	2	6
1	7	9	8	5	2	3	6	4
3	8	5	7	6	4	2	1	9
2	6	4	9	3	1	8	5	7
6	3	7	2	4	5	9	8	1
5	1	8	3	7	9	6	4	2
4	9	2	6	1	8	7	3	5

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 1999

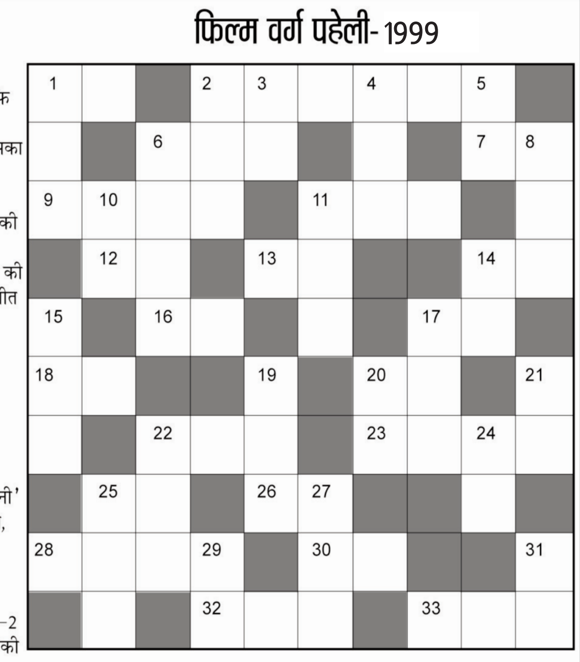

बायें से दायें:-

1. अमिताभ बच्चन, जया भादुड़ी की 'आये तुम याद मुझे' गीत वाली फिल्म-2
2. 'तुझे जीवन की डोर से बांध लिया है' गीत वाली फिल्म-3,3
6. 'जाने वाले से मुलाकात ना होने पाई' गीत वाली फिल्म-3
7. फिल्म 'प्रहार' में डिपल कपाड़िया के साथ नायक कौन-2
9. मनोजकुमार, बबीता की फिल्म-4
11. 'ये चांद खिला' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस अभिनीत फिल्म-3
12. आमिर खान, मनीषा कोइराला अभिनीत फिल्म-2
13. सुनील शेट्टी, रंभा अभिनीत फिल्म-2
14. 'मुझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली फिल्म-2
16. जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-2
17. फिल्म 'जिद्दी' में रवीना टंडन के साथ नायक कौन था-2
18. बॉबी देओल, काजोल, मनीषा कोइराला की फिल्म-2
20. एक प्रसिद्ध गायक जिसका असली नाम 'शान्तनु मुखर्जी' है-2
22. शाहरुख खान, माधुरी की फिल्म-3
23. राकेश रोशन, जयाप्रदा की 'तुम संग प्रीत लगाई' गीत वाली फिल्म-4
25. 'रात अंधेरी दूर सवेरा' गीत वाली राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-2
26. फिल्म 'विश्वनाथ' में शत्रुघ्न सिन्हा के साथ नायिका-2
28. 'मैं इक चोर तू मेरी रानी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर अभिनीत फिल्म-2,2
30. 'ऐ मेरे दिल कहीं और चल' गीत वाली फिल्म-2
32. अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-3
33. सनी देओल, बॉबी देओल, उर्मिला मातोंडकर की 'हां हां ये प्यार है' गीत वाली फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

1. शत्रुघ्न सिन्हा, रीना राय अभिनीत फिल्म-3
2. राजेन्द्रकुमार, सायराबानो अभिनीत फिल्म-3
3. 'ये उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-2
4. ऋषि कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-3
5. मेहमूद के ट्रिपल रोल वाली फिल्म 'हमजोली' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी ?-2
6. गोविंदा, मनीषा कोइराला की फिल्म-4
8. मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली फिल्म-3
10. अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत, किमी काटकर की फिल्म-2
11. शत्रुघ्न सिन्हा, संजयदत्त, शबाना, अनीता राज अभिनीत फिल्म-3
14. फिल्म 'बिच्छू' में बॉबी देओल के साथ नायिका कौन थी ?-2
15. भारतभूषण, मधुबाला की फिल्म-3
17. 'आंखों में नींदें ना दिल में करार' गीत वाली फिल्म-3
19. सुरेश, मधुबाला अभिनीत फिल्म-3
20. फिल्म 'दिलजले' में अजय देवगन के किरदार का या नाम था-2
21. श्रेयस तलपदे, आयशा टकिया, गुल पनाग की अभिनीत फिल्म-2
22. विश्वजीत, वहीदा की 'राह बनी खुद मंजिल' गीत वाली फिल्म-3
24. आशुतोष, शरदकपूर, रोहित, नेत्रा की फिल्म-2
25. दिलीप कुमार, मीना कुमारी की फिल्म-3
27. नवीन निश्चल, आशा पारेख की 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली फिल्म-3
29. 'एक मैं और एक तू' गीत वाली फिल्म 'खेल खेल में' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी ?-2
31. संजयदत्त, इंद्रकुमार, मनीषा कोइराला की 'सपने में कुड़ी वो आंदी है' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-1998

बं	ध	न		व	जू	द		स	नी
दि		सी	मा		ही	रा		ब	
नी	ल	म		ग		र	क्ष	क	
	म्हे		खु	द्दा	र		त्रि		अ
स		ग	द	र		ज	य	रा	ज
हे	मा		ग		सो	मी		जा	न
ली		क	र्ज			र	वि		बी
	ज	या		म	स्त		दा	ग	
द		म	र्या	दा		भा	ई		जू
स	पू	त		री		भी		डो	ली

भारत को 2030 तक कृषि एवं खाद्य क्षेत्र से 813 अरब डॉलर का राजस्व संभव: रिपोर्ट

मुंबई: भारत वर्ष 2030 तक कृषि प्रौद्योगिकी एवं संबद्ध क्षेत्रों में 272 अरब डॉलर के निवेश के साथ 15.2 करोड़ रोजगार सृजित कर सकता है और इससे 813 अरब डॉलर का राजस्व भी अर्जित करने की क्षमता रखता है। ऐसा होने पर यह देश में निजी क्षेत्र का सबसे बड़ा उद्योग बन जाएगा। एस्पायर इम्पैक्ट की कृषि एवं खाद्य क्षेत्र पर जारी एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है। इसके मुताबिक, देश के लिए अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार बने रहने के साथ, कृषि प्रौद्योगिकी और संबद्ध क्षेत्रों में निवेश भारतीय कृषि का चेहरा खाद्य सुरक्षा और टिकाऊ कृषि समाधानों के लिए दूरगामी प्रभाव के साथ बदल सकता है। एस्पायर सर्कल और क्रिएटर-इम्पैक्ट फ्यूचर प्रोजेक्ट के संस्थापक अमित भाटिया ने कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने कृषि क्षेत्र में करीब 9 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित किया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा दशक भारतीय उद्योग जगत के लिए इस क्षेत्र में अपार क्षमता का लाभ उठाने और इसे टिकाऊ एवं भविष्य के लिए तैयार करने का अवसर लेकर आया है।

सोना और चांदी की कीमत सपाट स्तर पर

मुंबई। किस्मस की वजह से विदेशी कमोडिटी बाजार बंद होने की वजह से भारतीय वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी इंडेक्स पर सोना और चांदी के दाम सपाट नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरी ओर निवेशकों का फेस्टिव मोड में चले जाना। एक दिन पहले विदेशी बाजारों में सोना और चांदी की कीमत में तेजी देखने को मिली थी लेकिन उसका असर भारत के वायदा बाजार में देखने को नहीं मिल रहा है। सोना में 2 रुपए की तेजी है। मल्टी कमोडिटी इंडेक्स पर सोने की कीमत सपाट देखने को मिल रही है। सुबह सोने की कीमत 2 रुपए प्रतिदस ग्राम की तेजी के साथ 48154 रुपए दर्ज की गई। जबकि सोना 48185 रुपए प्रतिदस ग्राम के साथ खुला था और कारोबारी सत्र के दौरान 48125 रुपए प्रतिदस ग्राम के साथ निचले स्तर पर गया। वैसे एक दिन पहले सोने की कीमत 48152 रुपए पर बंद हुई थी। वहीं दूसरी ओर चांदी की कीमत में हल्की गिरावट देखने को मिल रही है। मल्टी कमोडिटी इंडेक्स पर चांदी की कीमत सुबह 53 रुपए पति किलोग्राम की गिरावट के साथ 62257 रुपए प्रतिकिलोग्राम दर्ज की गई।जबकि एक दिन पहले चांदी की कीमत 62320 रुपए प्रति किलोग्राम के साथ खुली थी और कारोबारी सत्र के दौरान 61214 रुपए प्रतिकिलोग्राम के साथ दिन निचले स्तर पर पहुंची थी। वहीं एक दिन पहले चांदी की कीमत 62311 रुपए प्रतिकिलोग्राम पर बंद हुई थी।

टोकनॉइजेशन की समय सीमा 30 जून 2022 तक बढ़ी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) क्रेडिट और डेबिट कार्ड से ऑनलाइन पेमेंट ट्रांजेक्शन को ज्यादा सुरक्षित बनाने के लिए टोकन सिस्टम लागू किए जाने की समय सीमा बढ़ा कर 30 जून, 2022 कर दी है। पहले यह सिस्टम एक जनवरी 2022 से लागू होना था। टोकेनाइजेशन सिस्टम के तहत क्रेडिट और डेबिट कार्ड से ऑनलाइन भुगतान के दौरान थर्ड पार्टी ऐप से पूरी डिटेल साझा नहीं करनी पड़ेगी। आरबीआई ने कार्ड के आंकड़ों की सुरक्षा बढ़ाने के की कोशिश के तहत अपनी टोकन व्यवस्था (टोकनाइजेशन सिस्टम) का दायरा बढ़ा दिया है। इसके तहत अब कार्ड जारी करने वालों को ही टोकन सर्विस देने वालों के तौर पर काम करने की अनुमति दी गई है। इससे पेमेंट के दौरान कार्ड जारी करने वाले बैंक या कार्ड नेटवर्क के अलावा कोई एग्रीगेटर इसका ओरिजिनल डेटा जमा नहीं कर सकेगा। दरअसल कई पेमेंट कंपनियां और बैंक अभी इस नए नियम के लिए खुद को तैयार नहीं कर पाए थे। बैंकों ने कुछ दिनों पहले ही आरबीआई से मिलकर नए नियम को लागू करने की समय सीमा बढ़ाने की मांग की थी।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार में शुक्रवार को गिरावट दर्ज की गयी। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही एचडीएफसी लिमिटेड, एचडीएफसी बैंक, कोटक बैंक और एक्सिस बैंक में गिरावट से बाजार नीचे आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 190.97 अंक करीब 0.33 फीसदी की गिरावट के साथ ही 57,124.31 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 68.85 अंक तकरीबन 0.40 फीसदी नीचे आकर 17,003.75 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सबसे ज्यादा करीब तीन फीसदी की गिरावट एनटीपीसी के शेयरों में रही। इसके अलावा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एक्सिस बैंक, पावरग्रिड, कोटक बैंक, डा. रेड्डीज, बजाज फिनसर्व और एचडीएफसी के शेयर भी नीचे आये हैं। वहीं

दूसरी ओर एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, विप्रो और इन्फोसिस के शेयरों को लाभ हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार अंतिम कारोबारी दिन सीमित दायरे में कारोबार हुआ।

विभिन्न क्षेत्रों में लागत आधारित मुद्रास्फीति के ग्राहकों पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर भी निवेशक संशय में थे। इसके साथ ही निर्यात और कर संग्रह के बेहतर रहने के साथ उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना का प्रभाव भी सकारात्मक रहा है।

RBI के डिप्टी गवर्नर ने कहा, देश की मौद्रिक नीति वित्तीय रूप से समावेशी

मुंबई:

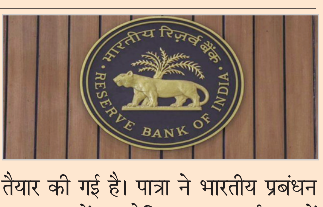

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर माइकल डी पात्रा ने शुक्रवार को कहा कि देश की मौद्रिक नीति वित्तीय आधार पर समावेशी रूप से तैयार की गई है। पात्रा ने भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम, अहमदाबाद) में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि आरबीआई के वित्तीय समावेशन सूचकांक का स्तर मार्च 2019 के 49.9 से बढ़कर मार्च 2020 में 53.1 हो गया है। वही मार्च 2021 में यह और बढ़कर 53.9 पर पहुंच गया। उन्होंने कहा, वित्तीय समावेश में वृद्धि के प्रमाण अभी आकार ले रहे हैं और इसके विश्लेषण से मजबूत निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी हो सकती है। हालांकि भारत की मौद्रिक नीति वित्तीय रूप से समावेशी है और भविष्य में इस रणनीति के लाभ मिलेंगे।

4.20 करोड़ लोगों ने जमा किया आयकर रिटर्न, 31 दिसंबर है ITR भरने की अंतिम तिथि

नई दिल्ली:

इनकम टैक्स रिटर्न भरने की आखिरी तारीख जैसे जैसे नजदीक आ रही है आयकर रिटर्न भरने वालों की संख्या में भी तेज इजाफा हो रहा है। आयकर विभाग के बताया कि वित्त वर्ष 2021-22 के लिए कल तक 42029919 आयकर रिटर्न दाखिल किए गए। विभाग ने बताया कि सिर्फ कल एक दिन 1096557 रिटर्न दाखिल किए गए। उसने कहा कि 23 दिसंबर तक 23303193 आईटीआर 1, 3641851 आईटीआर 2, 4269173 आईटीआर 3, 10166244 आईटीआर 4, 431252 आईटीआर 5, 183572 आईटीआर 6 और 34661 आईटीआर 7 दाखित हुए हैं।

31 दिसंबर है आईटीआर भरने की अंतिम तिथि

गौरतलब है कि इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर निर्धारित है और इसके आगे बढ़ने की कोई भी उम्मीद नहीं है। पेनॉल्टी से बचने के लिए आपको इस तय तिथि तक अपना रिटर्न दाखिल करना है। आपको बता दें 31 दिसंबर 2021-22 एसेसमेंट ईयर के लिए इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की आखिरी तारीख है इसके बाद रिटर्न दाखिल करने पर पेनाल्टी भरना पड़ेगा। आयकर विभाग ने भी ट्वीट कर लोगों से अपील भी की है कि वे जल्द से जल्द आयकर रिटर्न भर लें।

देश के अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में 2022 में 15 अरब डॉलर के निवेश के साथ उछाल की उम्मीद

नई दिल्ली:

इस वर्ष कई तरह की दिक्कतों का सामना करने के बाद 2022 में 15 अरब डॉलर से अधिक के संभावित निवेश के साथ देश के अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में उछाल आने की उम्मीद है। सरकार बिजली से चलने वाले इलेक्ट्रिक वाहनों, हरित हाइड्रोजन, सौर उपकरणों के निर्माण के साथ-साथ 175,000 मेगावाट की अक्षय ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य को हासिल करने पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। सरकार के इस कदम से अक्षय ऊर्जा क्षेत्र का बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इसी कड़ी में केंद्र सरकार ने मौजूदा अक्षय ऊर्जा उत्पादन क्षमता को 150,000 मेगावाट से बढ़ाकर वर्ष 2022 में 175,000 मेगावाट तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इस संबंध में केंद्रीय बिजली और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आर के सिंह ने बताया, ''हमें उम्मीद है कि वर्ष 2022 के दौरान अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश कम से कम 15 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर जाएगा।'' वही बर्ग न्यू एनर्जी फाइनेंस (बीएनईएफ) की रिपोर्ट के अनुसार देश के स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में किया गया नया निवेश 2020 में 6.2 अरब डॉलर

था। 2019 में इसमें 9.3 अरब डॉलर और 2018 में 10.8 अरब डॉलर का निवेश आया। देश में हालांकि कोरोना वायरस की दूसरी लहर से कई अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के प्रभावित होने के बावजूद 2021 में नए अवसर सामने आए है। भारतीय कंपनियों ने धन जुटाने के लिए विदेशी बाजारों की खोज शुरू कर दी है और अगस्त में रीन्यू पावर अमेरिकी शेयर बाजार नैस्डैक पर सूचीबद्ध होने वाली पहली भारतीय अक्षय ऊर्जा कंपनी बन गई है। भारत ने सीओपी21 में 2030 तक गैर-जीवाश्म ऊर्जा स्रोतों से अपनी स्थापित बिजली क्षमता का 40 प्रतिशत हासिल करने की प्रतिबद्धता जताई थी। इसे हालांकि नवंबर 2021 में ही हासिल कर लिया है।

सरकार ने अब 2030 तक 500,000 मेगावाट की अक्षय ऊर्जा (आरई) स्थापित करने का लक्ष्य रखा है।

फरवरी तक 45 कंपनियां ला सकती हैं IPO,स्टार्टअप भी रहेंगे लाइन में

नई दिल्ली:

इस साल की तरह अगला साल भी **IPO** के लिहाज से सुपर हिट हो सकता है। फरवरी तक 45 कंपनियां अपने इश्यू ला सकती हैं। इसमें स्टार्टअप का भी समावेश होगा। 2022 में सबसे बड़ा **IPO LIC** का होगा। हालांकि इसके इश्यू पर अभी भी कोई समय सीमा तय नहीं है। सरकार की कोशिश है कि मार्च से पहले इसे लाया जाए। पर अभी तक इसका वैल्यूएशन और अन्य प्रक्रिया जारी है। इसके साथ ही ओला, बायजू, ओयो जैसे स्टार्टअप भी बाजार में उतरने की तैयारी करेंगे। **LIC** 80 हजार करोड़ से एक लाख करोड़ रुपए जुटाने की तैयारी में है।

डेलहीवरी ने पेपर जमा कराया

डेलहीवरी ने सेबी के पास इस मामले में पेपर जमा करा दिया है। देश में इस साल कुल 79 यूनिकॉर्न थे। इसमें से 42 यूनिकॉर्न तो अकेले इसी साल बने हैं। स्टार्टअप के मामले में भारत तीसरे नंबर पर है। यहां पर वेंचर कैपिटल इन्वेस्टर्स और नए उद्यमी लगातार यूनिकॉर्न स्टार्टअप बना रहे हैं। इस साल बाजार के दिग्गज निवेशक राकेश झुनझुनवाला के निवेश वाली तीन कंपनियां बाजार में उतरी थीं। इसमें मेट्रो ब्रांड, नजारा और स्टार हेल्थ थीं। नजारा को छोड़कर दो कंपनियों ने निवेशकों को घाटा दिया है।

तीन दर्जन से ज्यादा कंपनियों ने पेपर जमा कराया

सेबी के पास पिछले तीन महीने में तीन दर्जन से ज्यादा कंपनियों ने इश्यू लाने के लिए कागजात जमा कराया है। इसमें अडाणी विल्मर, गो फर्स्ट एयरलाइंस, ड्रूम टेक्नोलॉजी, स्नैपडील जैसी कंपनियां शामिल हैं। अडाणी विल्मर 4500 करोड़ रुपए जबकि गो फर्स्ट 3500 करोड़ रुपए जुटाने की तैयारी में है। जनवरी से लेकर अब तक कुल 63 कंपनियां बाजार में आई हैं। यह सभी मिलाकर बाजार से 1.29 लाख करोड़ रुपए जुटाए हैं।

2017 में सबसे ज्यादा रकम जुटाई गई

इसके पहले साल 2017 में अब तक सबसे ज्यादा 75 हजार करोड़ रुपए की रकम जुटाई गई थी। पेटीएम ने अब तक का सबसे बड़ा इश्यू लाया जिसके जरिए सुने 18,300 करोड़ रुपए जुटाई। जबकि जोमैटो ने 9,375 करोड़ रुपए जुटाए थे।

सबसे कम रकम न्यूरेका ने जुटाया जो 100 करोड़ रुपए था। स्टार हेल्थ ने 7,249 करोड़ रुपए जुटाया जो इस साल का सबसे बड़ा इश्यू था।

नौ हजार करोड़ की क्रूड ऑयल पाइपलाइन स्थापित करेगी इंडियन ऑयल

नई दिल्ली । इंडियल ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसीएल) नई क्रूड ऑयल पाइपलाइन स्थापित करने पर विचार कर रही है, जिसकी सालाना क्षमता 175 लाख टन होगी। यह पाइपलाइन गुजरात के मुंद्रा से पानीपत के बीच होगी। कंपनी ने कहा है कि इंडियन ऑयल मुंद्रा में 60,000 किलोलीटर क्षमता वाले 9 क्रूड ऑयल टैंक बनाएगी, जिससे कंपनी को देश में कच्चे चेल के भंडारण की क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। परियोजना की कुल अनुमानित लागत 9,028 करोड़ रुपए है। इंडियन ऑयल के बोर्ड ने इस प्रस्ताव को 20 दिसंबर को मंजूरी दे दी थी। आईओसीएल ने कहा कि वह पानीपत रिफाइनरी परियोजना की क्षमता 15 एमएमटीपीए से बढ़ाकर 25 एमएमटीपीए करने की परियोजना लागू कर रही है। साथ ही पॉलीप्रोपलीन यूनिट और कैटलिटिक डीवैक्सिंग यूनिट की स्थापना की जाएगी। इसे वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में पूरा किए जाने का लक्ष्य है। नई पाइपलाइन व्यवस्था और कच्चे तेल के भंडारण टैंक से पानीपत रिफाइनरी के विस्तार से कच्चे तेल की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी।

RBI ने आगे बढ़ाई कार्ड टोकनॉइजेशन की डेटलाइन, 30 जून 2022 से लागू होगा यह नियम

बिजनेस डेस्क:

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) क्रेडिट और डेबिट कार्ड से ऑनलाइन पेमेंट ट्रांजेक्शन को ज्यादा सुरक्षित बनाने के लिए टोकन सिस्टम लागू किए जाने की डेडलाइन बढ़ा कर 30 जून, 2022 कर दी है। पहले यह सिस्टम एक जनवरी 2022 से लागू होना था। टोकेनाइजेशन सिस्टम के तहत क्रेडिट और डेबिट कार्ड से ऑनलाइन भुगतान के दौरान थर्ड पार्टी ऐप से पूरी डिटेल साझा नहीं करनी पड़ेगी। आप अपने डेबिट या क्रेडिट कार्ड का ब्योरा साझा किए बिना ही दिए जाने वाले टोकन नंबर की मदद से अपना ऑनलाइन पेमेंट ट्रांजेक्शन कर सकेंगे। आरबीआई ने कार्ड के आंकड़ों की सुरक्षा बढ़ाने के की कोशिश के तहत अपनी टोकन व्यवस्था (टोकनाइजेशन सिस्टम) का दायरा बढ़ा दिया है। इसके तहत अब कार्ड जारी करने वालों को ही टोकन सर्विस देने वालों के तौर पर काम करने की अनुमति दी गई है। इससे पेमेंट के दौरान कार्ड जारी करने वाले बैंक या कार्ड नेटवर्क के अलावा कोई एग्रीगेटर इसका ओरिजिनल डेटा जमा नहीं कर सकेगा।

क्यों बढ़ाई गई डेडलाइन

दरअसल कई पेमेंट कंपनियां और बैंक अभी इस नए नियम के लिए खुद को तैयार नहीं कर पाए थे। बैंकों ने कुछ दिनों पहले ही **RBI** से मिलकर नए नियम को लागू करने की डेडलाइन बढ़ाने की मांग की थी। उनका कहना था कि इसके लिए सिस्टम को तैयार करने में थोड़ा वक्त लगेगा। साथ ही बैंकों को यह भी चिंता था कि अगर आरबीआई इस डेडलाइन को बढ़ाने पर विचार नहीं करता है तो नए साल के दौरान सभी ऑनलाइन पेमेंट प्लेटफॉर्म्स पर भारी अव्यवस्था देखने को मिले सकती है। इन सबको देखते हुए **RBI** ने डेडलाइन बढ़ाने का फैसला किया है।

अमेजन कर रहा एफडीआई नियम का उल्लंघन: कैट

नई दिल्ली:

घरेलू व्यापारियों के राष्ट्रीय संगठन कैट ने बृहस्पतिवार को कहा कि अमेजन की केटामरान के साथ बने उद्यम प्रायन बिजनेस सर्विसेज के अधिग्रहण की योजना प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नीति का उल्लंघन होगी। अमेजन ने कहा है कि वह प्रायन बिजनेस सर्विसेज में केटामरान की हिस्सेदारी खरीदकर इसका अधिग्रहण करेगी। इसके लिए नियामकीय मंजूरी मिलने के बाद अधिग्रहण प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। प्रायन बिजनेस सर्विसेज एन आर नारायणमूर्ति की कंपनी केटामरान के साथ अमेजन का एक साझा उद्यम है। अगस्त में ही दोनों कंपनियों ने कह दिया था कि वे मई 2022 के बाद इस सहयोग को आगे नहीं बढ़ाएंगे। अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ (कैट) ने अपने एक बयान में कहा कि केटामरान की समूची हिस्सेदारी खरीदने की अमेजन की योजना एफडीआई नियमों का खुला उल्लंघन है। यह अधिग्रहण पूरा होने के बाद अमेजन का इस ऑनलाइन विक्रेता फर्म पर पूर्ण नियंत्रण हो जाएगा। कैट ने यह भी कहा कि अमेजन लगातार भारत के कानूनों को निष्क्रिय करने की तमाम कोशिशें करती रही है।

BofA ने अगले वित्त वर्ष में जीडीपी में 8.2प्रतिशत की वृद्धि का पूर्वानुमान व्यक्त किया

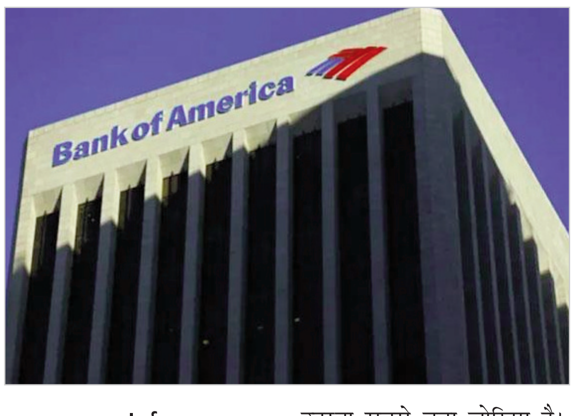

मुंबई:

वृद्धि, मुद्रास्फीति और उपभोग की मांग में मौद्रिक नीति के सामान्य होने को लेकर चिंताओं के कारण आने वाला वर्ष पिछले दो वर्ष की तुलना में अधिक जोखिम भरा रह सकता है। वॉल स्ट्रीट की एक ब्रोकरेज कंपनी ने अगले वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 8.2 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान व्यक्त किया है जिसमें कई जोखिम भरे कारकों को ध्यान में रखा गया है। बैंक ऑफ अमेरिका सिक्युरिटीज इंडिया (बीओएफए) के अर्थशास्त्रियों ने जीडीपी को लेकर अपने अनुमान में कहा है कि बीते कई वर्षों से वृद्धि का मुख्य कारक रही उपभोक्ता मांग का पटरी से उतरना सबसे बड़ा जोखिम है। उनका मानना है कि उपभोक्ताओं की मांग अगले वित्त वर्ष में भी विकास का मुख्य कारक बनी रहेगी। मुद्रास्फीति और मौद्रिक नीति सामान्यीकरण के उपभोक्ता मांग पर असर को इस पूर्वानुमान में सबसे बड़े जोखिम के कारक बताते हुए अर्थशास्त्रियों ने कहा कि आरबीआई वित्त वर्ष 2022-23 में रेपो दर को 100 बीपीएस तक बढ़ा सकता है। उन्हें आशंका है कि इससे उपभोक्ता मांग पर बुरा असर पड़ सकता है। रिपोर्ट के अनुसार एक और बड़ा जोखिम अगले साल खराब मॉनसून का पूर्वानुमान भी है। गौरतलब है कि पिछले तीन साल मानसून अच्छा रहा, जिससे कृषि क्षेत्र को लाभ मिला।

ESIC योजना से अक्टूबर में 12.19 लाख नए सदस्य जुड़े, कर्मचारियों को मिलती है सामाजिक सुरक्षा

नई दिल्ली:

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) की सामाजिक सुरक्षा योजना से अक्टूबर 2021 में 12.19 लाख नए सदस्य जुड़े। ये आंकड़े देश में संगठित क्षेत्र में रोजगार के परिदृश्य को दर्शाते हैं। इससे पिछले महीने यानी सितंबर में इस योजना से 13.57 लाख नए सदस्य जुड़े थे। ताजा आंकड़े राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से जारी रिपोर्ट का हिस्सा है। इस संबंध में शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार ईएसआईसी से जुड़ने वाले सदस्यों की संख्या अप्रैल में 10.78 लाख, मई में 8.91 लाख, जून में 10.68 लाख, जुलाई में 13.40 लाख और इस साल अगस्त में 13.47 लाख थी। वही जून, जुलाई और अगस्त के आंकड़े इस साल अप्रैल के मध्य में कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर के बाद राज्यों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों में ढील के बाद वृद्धि दर्शाते हैं। एनएसओ की रिपोर्ट के अनुसार बीते वित्त वर्ष यानी 2020-21 में ईएसआईसी से जुड़ने वाले सदस्यों की संख्या करीब 1.15 करोड़ थी। वही 2019-20 में यह आंकड़ा 1.51 करोड़ तथा 2018-19 में 1.49 करोड़ था। सितंबर, 2017 से मार्च, 2018 के दौरान ईएसआईसी योजना से 83.35 लाख नए अंशधारक जुड़े। वही सितंबर, 2017 से अक्टूबर 2021 की अवधि में ईएसआईसी से 5.82 करोड़ नए सदस्य जुड़े हैं। यह रिपोर्ट ईएसआईसी, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) और पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजना के नए अंशधारकों से संबंधित रोजगार के आंकड़ों पर आधारित है। रिपोर्ट के अनुसार कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की योजना से जुड़ने वाले अंशधारकों की संख्या अक्टूबर में 12.73 लाख रही जो सितंबर 2021 में 13.97 लाख थी। ईपीएफओ की योजना से सितंबर 2017 से लेकर अक्टूबर 2021 के दौरान सकल रूप से करीब 4.79 करोड़ अंशधारक जुड़े।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मानसिक पहलू पर ध्यान देने से वापसी आसान हुई : मयंक

सेंचुरियन । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल ने कहा कि टीम से दूर रहने के दौरान उन्होंने अपने खेल के मानसिक पहलू पर ध्यान दिया है और इसी कारण उनकी टीम में वापसी भी हुई है। मयंक को सिर में चोट के कारण इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट से बाहर कर दिया गया था। इसके बाद उनके लिए फिर टीम में जगह बनाना आसान नहीं था। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में शानदार प्रदर्शन के कारण उन्हें यह अवसर मिला है। उन्होंने टीम के साथ बल्लेबाज और उपकप्तान बने लोकेश राहुल से बातचीत के दौरान कहा, 'यह नई शुरूआत नहीं है। पिछले एक साल मैं खुद को समझने की कोशिश करता रहा और यह जानने की भी कि मेरी ताकत और कमजोरियां क्या है।' उन्होंने कहा, 'मुझे वापसी करके अच्छा प्रदर्शन कर पाने की खुशी है और आगे भी इस लय को बनाये रखूंगा।' साथ ही कहा कि मुख्य कोच राहुल द्रविड ने उन्हें अपने पर भरोसा रखने को कहा था। जिसका उसे लाभ मिला। मयंक ने कहा, 'द्रविड़ हमेशा अपने को समझने और मानसिक पहलू पर काम करने की बात करते हैं। उस पर काम करने से सफलता हासिल करने के अवसर बढ़ जाते हैं।' उन्होंने कहा ,'' वह अच्छी तैयारी पर बल देते हैं। हमने यहां अच्छा अभ्यास किया है और टेस्ट मैच का इंतजार है।'

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछली बार की तुलना में अच्छी तैयारी : केएल राहुल

जोहान्सबर्ग।

भारत के सलामी बल्लेबाज और उपकप्तान केएल राहुल ने शुक्रवार को कहा है कि टीम ने 2018 दक्षिण अफ्रीका के अपने पिछले दौरे की तुलना में इस बार अच्छी तैयारी की है। उन्होंने आगे कहा कि यहां जल्दी आने से हमें अच्छी तैयारी करने में मदद मिली है। भारत रविवार से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरूआत सेंचुरियन के सुपरस्पोर्ट पार्क से करेगा। केएल राहुल ने कहा, हम समझते हैं कि किसी भी विदेशी श्रृंखला में टीम को अच्छी शुरुआत देना एक बल्लेबाज के रूप में सबसे महत्वपूर्ण बात है। पिछली बार मैं यहां तीन-चार साल पहले आया था और तब मेरा दक्षिण अफ्रीका का पहला दौरा था। इसलिए, मुझे वास्तव में नहीं पता था कि क्या करना है और इन परिस्थितियों को कैसे संभालना है। लेकिन हमने यहां की कई वीडियो देखने और इन परिस्थितियों में अभ्यास करने के बाद हम पिछली बार की तुलना में थोड़ी बेहतर स्थिति में हैं। राहुल ने वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम मैच खेलने के लिए बहुत उत्साहित हैं। उम्मीद है कि 26 दिसंबर से शुरू होने वाले टेस्ट में मयंक अग्रवाल और मैं अच्छी शुरूआत करेंगे और टीम को बढ़त दिलाएंगे। यहां की गति और उछाल देश के अन्य सभी स्थानों से अलग है। इसलिए, हम यहां जल्दी आए और उसी हिसाब से अभ्यास कर रहे हैं। हमारे पास तैयारी करने के लिए काफी दिन थे। 2018 के बाद राहुल दूसरी बार दक्षिण अफ्रीका आए हैं और दाएं हाथ के बल्लेबाज का मानना है कि यहां की पिचें चुनौती खड़ी करेंगी। उन्होंने कहा, मैंने दक्षिण अफ्रीका में बहुत अधिक मैच नहीं खेले हैं, लेकिन मेरा अनुभव है कि यहां की पिचें चुनौतीपूर्ण हो सकती हैं। सीरीज से पहले अपनी व्यक्तिगत तैयारी के बारे में पूछे जाने पर राहुल ने कहा, मैं अपने शरीर के करीब खेलने की कोशिश करता हूं। यही मेरी तैयारी रही है। मेरा ध्यान वास्तव में पहले नई गेंद से 30-35 ओवरों में विकेट नहीं देने पर होगा। 29 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में जीत से बढ़े आत्मविश्वास के साथ भारत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैदान में उतरेगा।

लॉन्ग जम्पर शैली सिंह और बैकस्ट्रोक तैराक रिद्धिमा को टीओपीएस सपोर्ट के लिए चुना गया

नई दिल्ली।

इस साल की शुरुआत में विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में लॉन्ग जंप में रजत पदक विजेता 17 वर्षीय शैली सिंह को गुरुवार को यहां मिशन ओलंपिक सेल (एमसीओ) की बैठक में युवा मामलों के मंत्रालय और लक्ष्य ओलंपिक पोडियम योजना (टीओपीएस) के समर्थन के लिए एथलीटों के कोर ग्रुप में चुना गया है। एमओसी ने गुरुवार को दूसरी सूची में आठ विषयों में कोर ग्रुप में 50 और विकास समूह में 143 एथलीटों का भी चुनाव किया है। उन्होंने इस प्रकार सूची में कुल खिलाड़ियों की संख्या 291 तक बढ़ा दी है, जिसमें कोर ग्रुप में 102 शामिल हैं। 2024 खेलों की तैयारियों के समर्थन के लिए अब तक 13 ओलंपिक विषयों और छह पैरालंपिक विषयों के एथलीटों की पहचान की गई है। समर्थन के लिए पहचाने जाने वालों में सबसे कम उम्र की तैराक रिद्धिमा वीरेंद्र कुमार हैं, जो सिर्फ 14 साल की हैं। उन्होंने अक्टूबर में राष्ट्रीय जूनियर चैंपियनशिप में पदक जीते थे और एक सप्ताह बाद उसी स्थान पर सीनियर नेशनल में भी धूम मचाई थी। खेल मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि कोर ग्रुप के लिए पहले से पहचाने गए दो तैराकों के अलावा उनका नाम विकास समूह में 17 तैराकों में शामिल था। एमओसी ने एक उपसमिति की सिफारिश को स्वीकार कर लिया कि अगले साल जून में विश्व चैंपियनशिप के बाद तैराकी सूची की समीक्षा की जाए और अगले महीने राष्ट्रीय टूर्नामेंट में तीरंदाजी सूची को लेकर बातचीत की जाए।

पेले को अस्पताल से मिली छुट्टी, जारी रहेगा इलाज

साओ पाउलो :

ब्राजील के महान फुटबॉलर पेले को साओ पाउलो के अस्पताल से छुट्टी मिल गई है लेकिन कोलोन ट्यूमर का इलाज जारी रहेगा। अस्पताल ने एक बयान में कहा, 'एडसन अरांतेस दो नासिमेंतो को इसरेलिटा अलबर्ट आइंस्टीन अस्पताल से गुरूवार को छुट्टी दे दी गई। इसने आगे कहा, 'मरीज की हालत स्थिर है और उनका कोलोन ट्यूमर का इलाज जारी रहेगा।' पेले को दिसंबर की शुरूआत में कीमोथेरेपी के लिए भर्ती कराया गया था। इससे पहले ट्यूमर निकालने के लिए सर्जरी के कारण वह एक महीना अस्पताल में रहे थे। पेले ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर अपनी जवानी की फोटो डालकर कहा, 'यह मुस्कुराती तस्वीर किसी कारण से है। जैसा कि मैने कहा था कि क्रिसमस अपने परिवार के साथ मनाऊंगा। मैं घर आ रहा हूं। सभी को शुभकामनाओं के लिये धन्यवाद।

हरभजन सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

नई दिल्ली।

भारत के अनुभवी ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने शुक्रवार को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की, जिससे उनके 23 साल के शानदार करियर का अंत हो गया। 41 वर्षीय खिलाड़ी ने 103 टेस्ट, 236 वनडे और 28 टी20 खेले। इन मैचों में उन्होंने 417, 269 और 25 विकेट झटके। कुल विकेटों के मामले में अनिल कुंबले के 953 विकेट के बाद भारत के लिए 707 अंतर्राष्ट्रीय विकेट लेने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं। उन्होंने बल्ले से भी टीम के लिए योगदान दिया, जिसमें दो शतक और नौ अर्धशतक के साथ 3,569 रन बनाए। हरभजन 2001 में ईडन गार्डन्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक लेने वाले पहले भारतीय बने थे। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से संन्यास की घोषणा की। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, आखिर में सभी अच्छी चीजें खत्म हो जाती हैं और आज जब मैं उस खेल को अलविदा कह रहा हूं, जिसने मुझे जीवन में सब कुछ दिया है। इसके लिए मैं उन सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने इस 23 साल की लंबी यात्रा को सुंदर और यादगार बनाया। मैं दिल से उनका आभारी हूं। हरभजन ने 1998 में बैंगलोर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था और ग्रेग ब्लेवेट उनके पहले टेस्ट विकेट बने थे। उसी वर्ष, जब भारत ने अप्रैल में शारजाह में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला तो उन्होंने वनडे में भी डेब्यू किया था। मैट हॉर्न उनका पहला वनडे विकेट था। हरभजन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, मैं सार्वजनिक रूप से घोषणा करने के लिए पिछले कुछ सालों से इंतजार कर रहा था। मैं दिमाग से पहले ही संन्यास ले चुका था, लेकिन मैं आज घोषणा कर रहा हूं। जालंधर की सड़कों से टीम इंडिया के लिए टर्नबेटर बनने का मेरा सफर खूबसूरत रहा है। मेरे लिए जीवन में भारत की जर्सी पहनकर मैदान पर कदम रखने से बड़ी कोई और प्रेरणा नहीं है। 41 वर्षीय खिलाड़ी ने 2007 में भारत की ऐतिहासिक टी20 विश्व कप में जीत और 2011 में वनडे विश्व कप की जीत में हिस्सा थे। महान ऑफ स्पिनर ने आखिरी बार 03 मार्च 2016 को टी20 विश्व कप में यूएई के खिलाफ भारत के लिए मैच खेला था। हालांकि, वह लगातार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कई फ्रेंचाइजी का हिस्सा थे और पिछले सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए खेले थे। उन्होंने आगे कहा, हर भारतीय क्रिकेटर की तरह, मैं भी भारत की जर्सी में अलविदा कहना चाहता था, लेकिन भाग्य में मेरे लिए कुछ और था। चाहे जिस टीम के लिए मैंने प्रतिनिधित्व किया हो, मैंने हमेशा अपनी टीम को जिताने के लिए 100 दिया है।

संक्षिप्त समाचार

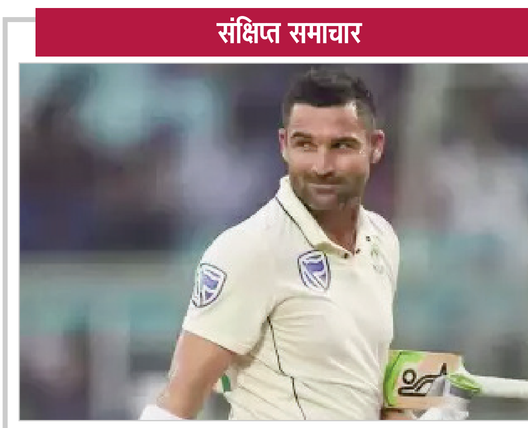

भारत के खिलाफ सीरीज में घरेलू कंडीशन होने का मिलेगा फायदा : डीन एल्गर

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट कप्तान डीन एल्गर का मानना है कि भारत के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में घरेलू कंडीशन होने से उनकी टीम को थोड़ा फायदा मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि टीम लगभग छह महीने के बाद टेस्ट मैच खेलने जा रही है। इसका मतलब है कि खिलाड़ियों को तैयारी करने के लिए बहुत समय मिला है। एल्गर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे लगता है कि हमें घरेलू परिस्थिति में खेलने से वास्तव में थोड़ा फायदा होगा। वे (भारत) दुनिया में नंबर एक स्थान पर हैं। लेकिन हमें बस इसका फायदा होगा कि हम घर में खेलेंगे। दक्षिण अफ्रीका ने आखिरी बार जून में वेस्टइंडीज के खिलाफ एक टेस्ट मैच खेला था और एल्गर ने स्वीकार किया कि टीम को लंबे प्रारूप के मैचों में वापसी आने में कुछ समय लग गया। लेकिन हम जानते थे कि भारत के खिलाफ सीरीज खेलने से पहले तैयारी की प्रक्रिया का एक हिस्सा था।

पीटरसन ने कप्तान रूट की टीम को दिया सुझाव

मेलबर्न। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर से कमेंटेटर बने केविन पीटरसन ने कप्तान जो रूट की टीम को सुझाव दिया है कि बचाव के साथ नहीं, बल्कि आक्रमण के साथ मैदान में खेलें। गाबा में शुरुआती एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों का बेहतरीन उदाहरण देखने को मिला था, जब वह ऑफ स्टंप के ठीक बाहर गेंदबाजी कर रहे थे, जिससे उन्हें इंग्लैंड के बल्लेबाजों को विकेटकीपर एलेक्स कैरी या फिर स्लिप में आउट करने में मदद मिली। कैरी ने डेब्यू टेस्ट में एक विकेटकीपर द्वारा एक मैच में सर्वाधिक कैच लेने का रिकॉर्ड बनाया। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को नौ विकेट से हरा दिया था। विकेटकीपर ने गाबा मैच में आठ कैच पकड़ कर एक टेस्ट मैच में इंग्लैंड के क्रिस रीड, ऑस्ट्रेलिया के ब्रायन टैबर, श्रीलंका के चमारा दुनुसिंघे, भारत के ऋषभ पंत, ऑस्ट्रेलिया के पीटर नेविल और इंग्लैंड के एलन नॉट के संयुक्त रिकॉर्ड को तोड़ दिया, जिनके पास सात-सात कैच का रिकॉर्ड है। स्मिथ ने अब तक दो टेस्ट मैचों में स्लिप में कैच पकड़ कर इंग्लैंड की परेशानी को और बढ़ा दिया है। सोशल मीडिया के माध्यम से शुक्रवार को पिटरसन ने इंग्लैंड की टीम को बताया कि बचाव के साथ नहीं, बल्कि आक्रमण के साथ मैदान पर खेलें।

एमसीजी में करना होगा बेहतर प्रदर्शन, नहीं तो हार जाएंगे सीरीज : बेन स्टोक्स

मेलबर्न।

इंग्लैंड के हरफनमौला और टेस्ट उपकप्तान बेन स्टोक्स ने स्वीकार किया कि उनकी टीम को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर तीसरे एशेज टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन करना होगा, नहीं तो वे सीरीज हार जाएंगे। उन्होंने कहा कि एडिलेड में दूसरा टेस्ट 275 रन से हारने के बाद टीम में बातचीत हुई है। इंग्लैंड एशेज में 2-0 से पीछे है और एशेज जीतने के लिए मेलबर्न में बेहतर प्रदर्शन करने की जरूरत है। स्टोक्स ने डेली मिरर में लिखा, इस हफ्ते मेलबर्न में करो या मरो का मैच है। हमने अब तक इस दौरे पर अच्छा नहीं किया है और इसमें न मानने वाली कोई बात नहीं है। हमें इस टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन करना होगा, नहीं तो हम सीरीज गंवा देंगे।स्टोक्स ने कहा, बहुत सारे खिलाड़ियों द्वारा बहुत सारी गलतियां की गई हैं और इसीलिए हमने अच्छा नहीं किया है, क्योंकि हमने बार-बार गलतियां दोहराई हैं। यही वजह है कि हमारी एडिलेड टेस्ट में भी हार हुई। उन्होंने कहा, मैं उस ड्रेसिंग रूम का हिस्सा बनना चाहता हूं जहां हम एक-दूसरे से बात कर सकें कि हम क्या सोचते हैं और क्या कर सकते हैं। टीम की हार में किसी एक खिलाड़ी की गलती नहीं है, बल्कि सामूहिक रूप से सबकी गलती है। इसलिए जब हम आपस में बात करेंगे तो टीम को आगे बढ़ने और जीतने में मदद मिलेगी।

टी20आई : यूएसए के खिलाफ मैच में नौ रन से जीता आयरलैंड

लॉडरहिल (फ्लोरिडा)।

लोर्कन टकर के अर्धशतक से आयरलैंड की टीम ने टी20आई मैच में संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) की टीम को नौ रन से हराकर दूसरे मैच में अच्छी वापसी की। दो दिवसीय टी20 सीरीज में दोनों टीमें 1-1 से बराबर रहीं। आयरलैंड के बल्लेबाज लोर्कन टकर ने 56 गेंदों में तीन छक्के और नौ चौके की मदद से शानदार पारी खेलते हुए 84 रन बनाए। अन्य बल्लेबाजों की मदद से टीम ने 18.5 ओवर में दस विकेट गंवाकर 150 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। पहले मैच में यूएसए के खिलाफ आयरलैंड 26 रन से हार गया था। लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूएसए की टीम के बल्लेबाज ज्यादा देर क्रीज में टिक नहीं सके। जिसमें कप्तान मोनक पटेल (26), सुशांत मोदानी (27), गजानन्द सिंह (22) ने टीम में रनों को बटोरने का काम किया लेकिन, वे भी एक लक्ष्य स्कोर तक पहुंचने में नाकाम रहे। इस दौरान गेंदबाजों ने 20 ओवर में सात विकेट लेकर मैच को अपने नाम कर लिया और यूएसए टीम को 141 रन पर समेट दिया। आयरलैंड के गेंदबाजों ने दूसरे मैच में यूएसए की टीम के बल्लेबाजों को परेशान करते हुए टीम के सात विकेट झटके। जिसमें कर्टिस कैंपर ने चार ओवर में 25 रन देकर चार विकेट लिए।

संक्षिप्त स्कोरः आयरलैंड 18.5 ओवर में 150 (लोर्क न टकर 84; सौरभ नेत्रवलकर 3/33) ने यूएसए को 20 ओवरों में 141/7 (सुशांत मोदानी 27; कर्टिस कैंपर 4/25) को 9 रन से हराया।

एशेज के तीसरे टेस्ट में तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड का खेलना मुश्किल

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड का 26 दिसंबर से मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में शुरू हो रहे तीसरे एशेज टेस्ट के लिए खेलना मुश्किल हो गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) चयन पैनल उन्हें चोट से उबरने और नए साल में एससीजी में चौथे टेस्ट के लिए वापसी करने के लिए कुछ और समय देना चाहता है। हेजलवुड को गाबा में शुरुआती टेस्ट के दौरान चोट लग गई थी, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने नौ विकेट से जीता था। वह एडिलेड ओवल टेस्ट में नहीं खेले थे। वहीं, तेज गेंदबाजों को देखते हुए जाय रिचर्डसन और माइकल नेसर ने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को गेंदबाजी करने के लिए लंबे समय तक नेट पर अभ्यास किया।ऑस्ट्रेलिया के 22 वर्षीय ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन ने शुक्रवार को कहा, माइकल नेसर, जिन्होंने एडिलेड टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया और प्रत्येक पारी में एक विकेट हासिल किया। उनकी टीम में वापसी हो सकती है। रिचर्डसन ने भी दूसरी पारी में पांच विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया था। जबकि तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड को ऑस्ट्रेलियाई टीम में 16वें खिलाड़ी के रूप में शामिल किया गया है, लेकिन उन्हें प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं किया गया है।

ओडिशा के खेल मंत्री ने राष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन चैम्पियनशिप का उद्घाटन किया

भुवनेश्वर ।

ओडिशा के खेल मंत्री तुषारकांति बेहरा ने शुक्रवार को यहां चौथी राष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप का उद्घाटन किया। कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में खेल मंत्री ने कहा, हमारे पैरा एथलीटों ने टोक्यो पैरालंपिक में भारत का गौरव बढ़ाया है और हमें उनमें से प्रत्येक खिलाड़ियों पर गर्व है। यह हमारे लिए एक बड़ा दिन है क्योंकि हम चौथे राष्ट्रीय पैरा बैडमिंटन चैंपियनशिप की मेजबानी कर रहे हैं। इस चैंपियनशिप में सभी का स्वागत है। मैं सभी को खेलों के लिए शुभकामनाएं देता हूं। पैरालंपिक भारत की अध्यक्ष दीपा मलिक ने समारोह में कहा, हाल के दिनों में, ओडिशा राज्य ने विभिन्न खेलों का समर्थन करके और उन्हें नई ऊंचाइयों पर ले जाकर एक महान उदाहरण स्थापित किया है। उसी तरह, ओडिशा अब पैरा बैडमिंटन टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए आगे आया है। एक ऐसा खेल जिसने हाल ही में भारत को चार पदक दिए हैं। वहीं, भारत की पैरालंपिक समिति को टूर्नामेंट के संचालन के लिए ओडिशा सरकार और ओडिशा के पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन के साथ काम करने पर गर्व है। पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन ओडिशा की अध्यक्ष कमला कांता रथ ने कहा, टीम ने इस टूर्नामेंट को सफल बनाने के लिए दिन-रात मेहनत की है और जिस तरह से हमने इस आयोजन को शानदार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी, उस पर मुझे गर्व है। ओडिशा सरकार के खेल और युवा सेवा विभाग के साथ ओडिशा का पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन तीन दिवसीय टूर्नामेंट का आयोजन कर रहा है जिसमें 500 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। यह टूर्नामेंट रेलवे इंडोर स्टेडियम और भुवनेश्वर में केसी मेमोरियल ट्रस्ट में आयोजित किया जाएगा। वहीं, उड़ान बैडमिंटन अकादमी के सहयोग से 24 से 26 दिसंबर तक पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया और बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में चैंपियनशिप आयोजित होगी।

एशेज में तेज गेंदबाजों की आलोचना होने पर एंडरसन ने दिया जवाब

मेलबर्न।

अनुभवी इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने एडिलेड ओवल में दूसरे एशेज टेस्ट में 275 रन की हार के बाद अपनी टीम के गेंदबाजों की आलोचना होने पर जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि टीम को बाकी बचे मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए गेंदबाजों का समर्थन करना जरूरी है। एंडरसन की टिप्पणी इंग्लैंड के कप्तान जो रूट द्वारा एडिलेड में फुल लेंथ पर गेंदबाजी नहीं करने को लेकर तेज गेंदबाजों की आलोचना करने के बाद आई है। इंग्लैंड पांच मैचों की सीरीज में 2-0 से पीछे है। टीम को मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिए बदलाव करने की जरूरत है। एंडरसन ने शुक्रवार को द टेलीग्राफ में लिखा, गेंदबाजों के दृष्टिकोण से आप हर समय सही लेंथ पर गेंद डालने की कोशिश करते हैं। हमने पहले दो दिनों तक ऐसा ही किया। मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलिया ने अच्छी बल्लेबाजी की। एंडरसन ने कहा, अगर हम लंच के बाद कम गेंदबाजी कर रहे हैं तो हमें सही लेंथ पर गेंदबाजी करने के लिए एक-दूसरे से बात करनी चाहिए। हमें जरूरत है कि एक टीम के रूप में प्रदर्शन करने पर ध्यान दें।

क्रिसमस एक त्यौहार शांति दूत के नाम

क्रिसमस एक ऐसा त्यौहार है जिसे शायद दुनिया के सर्वाधिक लोग पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं. आज यह त्यौहार विदेशों में ही नहीं बल्कि भारत में भी समान जोश के साथ मनाया जाता है. भारत की विविधतापूर्ण संस्कृति के साथ क्रिसमस का त्यौहार भी पूरी तरह घुल-मिल गया है. सदियों से यह त्यौहार लोगों को खुशियां बांटता और प्रेम और सौहार्द की मिसाल कायम करता रहा है. यह त्यौहार हमारे सामाजिक परिवेश का प्रतिबिंब भी है, जो विभिन्न वर्गों के बीच भाईचारे को मजबूती देता आया है. क्रिसमस का अर्थ मानव मुक्ति और समानता है. बाइबिल के अनुसार, ईश्वर ने अपने भक्त याशायाह के माध्यम से 800 ईसा पूर्व ही यह भविष्यवाणी कर दी थी कि इस दुनिया में एक राजकुमार जन्म लेगा और उसका नाम इमेनुएल रखा जाएगा. इमेनुएल का अर्थ है 'ईश्वर हमारे साथ'. याशायाह की भविष्यवाणी सच साबित हुई और यीशु मसीह का जन्म इसी प्रकार हुआ.

बालक यीशु के जन्म की सबसे पहली खबर इस दुनिया के सबसे निर्धन वर्ग के लोगों को मिली थी. वे कड़ी मेहनत करने वाले गड़रिये थे. सर्दी की रात जब उन्हें यह खबर मिली तो वे खुले आसमान के नीचे खतरों से बेखबर सोती हुई अपनी भेड़ों की रखवाली कर रहे थे. एक तारा चमका और स्वर्ग-दूतों के दल ने गड़रियों को खबर दी कि तुम्हारे बीच एक ऐसे बालक ने जन्म लिया है, जो तुम्हारा राजा होगा.

पूरी दुनिया के गरीब यह खबर सुनकर जहां खुश हुए, वहीं गरीबों पर जुल्म करने वाला राजा हेरोदेस नाराज हो गया. उसने अपने राज्य में 2 वर्ष की उम्र तक के सभी बच्चों को कत्ल करने का आदेश जारी कर दिया, ताकि उसकी सत्ता को भविष्य में किसी ऐसे राजा से खतरा न रहे. अच्छाई को देखकर बुराई करने वाले इसी तरह दुखी और नाराज होते हैं. यही शैतानियत का प्रतीक है. ईसा मसीह इसी शैतानियत को तो खत्म करने के लिए आए थे.

ईसा मसीह ने मानव के रूप में जन्म लेने के लिए किसी संपन्न व्यक्ति का घर नहीं चुना. उन्होंने एक गरीब व्यक्ति के घर की गोशाला में घास पर जन्म लिया. दरअसल, वे गरीब, भोले-भाले और शोषित व पीड़ित लोगों का उद्धार करने आये थे. इसीलिए उन्होंने जन्म से ही ऐसे लोगों के बीच अपना स्थान चुना. यह बहुत बड़ा संदेश था.

30 वर्ष की आयु में ईसा मसीह ने सामाजिक अव्यवस्था के विरुद्ध अपनी आवाज बुलंद की. उन्होंने जनता को दीन-दुखियों और लाचारों की सहायता करने, प्रेमभाव से रहने, लालच न करने, ईश्वर और राज्य के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहने, जरूरतमंद की जरूरत पूरी करने, आवश्यकता से ज्यादा धन संग्रह न करने का उपदेश दिया. आज ईसा मसीह के दिए हुए संदेशों की प्रासंगिकता बहुत ज्यादा है, क्योंकि भले ही सामाजिक बुराइयों ने अपना रूप बदल लिया हो, लेकिन वे आज भी समाज में विद्यमान हैं और गरीबों, लाचारों, शोषितों, पीड़ितों और दलितों को उनका शिकार होना पड़ता है.

ईसा मसीह ने समाज को समानता का पाठ पढ़ाया था. उन्होंने बार-बार कहा कि वे ईश्वर के पुत्र हैं और भले ही इस दुनिया में क्रूरता, अन्याय और गैर-बराबरी जैसी अनेक बुराइयां हैं, पर ईश्वर के घर में सभी बराबर हैं. उन्होंने ऐसा ही समाज बनाने पर जोर दिया, जिसमें क्रूरता व अन्याय की जगह न हो और सभी प्रेम और समानता के साथ रहें. ऐसी ही एक कहानी बाइबिल में आती है, जो एक सामरी संप्रदाय की स्त्री की है. जब ईसा मसीह ने उससे पीने के लिए पानी मांगा तो स्त्री ने कहा कि तू यहूदी होकर मुझ सामरी स्त्री से पानी क्यों मांगता है? दरअसल, यहूदी लोग सामरियों के साथ किसी प्रकार का व्यवहार नहीं रखते थे और उन्हें कमतर मानते थे. लेकिन ईसा ने उसके हाथ का पानी पिया. ईसा मसीह ने दलित, दमित और असहाय लोगों को आशा और जीवन का संदेश दिया. उन्होंने अपना पूरा जीवन मानव कल्याण में लगाया. यही वजह थी कि उन्हें क्रॉस पर मृत्युदंड भी दिया गया. लेकिन दूसरों के हित में काम करने वाले मृत्युदंड से कब भयभीत हुए हैं. क्रिसमस का त्यौहार कई चीजों के लिए खास होता है जैसे क्रिसमस ट्री, स्टार, गिफ्टस आदि. और हां, कई लोग मानते हैं क्रिसमस के दिन सांता क्लॉज बच्चों को उपहार देता है. सांता क्लॉज को याद करने का चलन 4वीं शताब्दी से आरंभ हुआ था और वे संत निकोलस थे जो तुर्किस्तान के मीरा नामक शहर के बिशप थे. सांता क्लाज़ लाल व सफेद ड्रेस पहने हुए, एक वृद्ध मोटा पौराणिक चरित्र है, जो रेन्डियर पर सवार होता है तथा समारोहों में, विशेष कर बच्चों के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. क्रिसमस उम्मीदों और खुशियों का त्यौहार है. ईसा मसीह का जीवन और उनके उपदेश आज भी इसलिए प्रासंगिक हैं, क्योंकि आज भी अमीरी-गरीबी, जातिवाद और सामाजिक विसंगतियां समाज में मौजूद हैं. जब हम अपने आसपास नजर डालेंगे और गरीब व लाचार लोगों के दुख-दर्द को समझेंगे और ईसा मसीह की तरह अपनी कोशिशों से उनके चेहरे पर थोड़ी-सी मुस्कान लाएंगे, तभी हमें क्रिसमस की वास्तविक खुशियां मिलेंगी.

कैसे हुई सांता क्लॉज की प्रसिद्धि...

सांता क्लॉज को भले ही आधुनिक बाजारवाद का प्रतीक माना जाए लेकिन इस किंवदंती की उत्पत्ति सदियों पुरानी है। माना जाता है कि तीसरी सदी में तुर्की में जन्मे संत निकोलस का ही आधुनिक रूप है सांता क्लॉज। अपने धर्मालु और दयालु स्वभाव के कारण वे जबर्दस्त लोकप्रिय थे। उन्होंने अपनी तमाम पुश्तैनी धन-दौलत दान कर दी थी और दूर-दूर तक सफर करके वे गरीबों की मदद किया करते थे। उनकी प्रसिद्धि के साथ-साथ उनसे जुड़ी किंवदंतियां भी फैलती गईं। बच्चों के प्रति उनके स्नेह की कथाएं विशेष रूप से प्रचलित हुईं। 6 दिसंबर को उनकी पुण्यतिथि बड़े पैमाने पर मनाई जाने लगी। माना जाता है कि सेंट (संत) निकोलस का नाम ही बिगड़कर पहले सिंतर क्लॉस और फिर सांता क्लॉज हो गया। योरप में खूब फैलने के बाद सांता क्लॉज की प्रसिद्धि 18वीं सदी में अमेरिका पहुंची। 1773-74 में न्यूयॉर्क में बसे हॉलैंड मूल के परिवारों ने सामूहिक रूप से सिंतर क्लॉस की पुण्यतिथि मनाई। फिर 1804 में न्यूयॉर्क हिस्टॉरिकल सोसायटी की वार्षिक सभा में उसके एक सदस्य जॉन पिंटर्ड ने संत निकोलस के लकड़ी के कटआउट बंटवाए। इनमें संत की छवि काफी कुछ वैसी ही थी जैसी आज सांता की छवि हमारे सामने है। तब तक संत निकोलस/ सिंतर क्लॉस/ सांता क्लॉज का क्रिसमस के साथ कोई सीधा संबंध नहीं था। फिर 1822 में क्लेमेंट क्लार्क मूर ने अपनी तीन बेटियों के लिए एक लंबी कविता लिखी एन अकाउंट ऑफ ए विजिट फ्रॉम सेंट निकोलस। इसमें सेंट निकोलस को एक गोलमटोल, हंसमुख बुजुर्ग बताया गया, जो क्रिसमस की पूर्व रात्रि में रेनडियर वाली गाड़ी में उड़ते हुए आते हैं और चिमनी केरास्ते घरों में प्रवेश कर घर में टंगी जुराबों में बच्चों के लिए उपहार छोड़ जाते हैं। यह कविता जब प्रकाशित हुई तो अमेरिका भर में सेंट निकोलस/ सांता क्लॉज लोकप्रिय हो गए। जर्मन मूल के अमेरिकी कार्टूनिस्ट थॉमस नेस्ट 1863 से प्रति वर्ष सांता की नई छवि गढ़ने लगे। 1880 के दशक तक सांता की छवि वह रूप ले चुकी थी, जिससे आज हम सब परिचित हैं।

स्वर्गदूतों ने दिया था यीशु जन्म का संदेश

ऐसी मान्यता है कि यीशु के जन्म के अवसर पर स्वर्गदूतों ने सर्वोच्च गगन में परमेश्वर को महिमा और पृथ्वी पर उसके कृपापात्रों को शांति यह संदेश कुछ चरवाहों को दिया था। गत हजारों वर्ष से ख्रीस्त जयंती की मंगलमय बेला में करोड़ों कंठों से इस संदेश की प्रतिध्वनि गूंजती आ रही है। इस संदेश की सुंदरता इसमें है कि यीशु के जन्म के साथ उदित होने वाली नई विश्वव्यवस्था की झलक इसमें निहित है। पृथ्वी पर मानवों के शांतिपूर्ण जीवन में ईश्वर की स्वर्गीय महिमा प्रतिबिंबित है। मनुष्य में ईश्वर महिमान्वित होता है। यीशु ईश्वर और मनुष्य के बीच की सजीव कड़ी है। सच्ची शांति अच्छे मन का अनुभव है। ऐसी शांति तभी संभव है जबकि हृदय भय और मृत्यु से, दर्द और पीड़ा से मुक्त हो। लेकिन हम एक भ्रष्ट और दमनकारी संसार में जीते हैं जहां भय राज करता है और शांति की जड़ कमजोर है। यह अस्वाभाविक भी नहीं है क्योंकि यहां सच्चे दिलवालों की संख्या निराशाजनक रूप से कम है। जहां धन और बल मनुष्य के भविष्य में नियंता हों, जहां ईमानदारी और नैतिकता को कमजोरी के लक्षण माना जाता हो, वहां शांति और सच्चाई का बना रहना असंभव है। आज संसार में जो शांति दिखाई पड़ती है, वह हृदय की सच्चाई से नहीं बल्कि हथियारों के समझौते से निकली है। शायद यीशु की विश्वव्यस्था की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि हर मानव किसी भी जाति-वर्ग-वर्ण भेद के बिना ईश्वर की संतान बन सकता है। ईश्वर का जो रूप यीशु ने लोगों को बताया वह वास्तव में मन को छूने वाला है। ईश्वर इतना उदार है कि वह भले और बुरे, दोनों पर अपना सूर्य उगाता तथा धर्मी और अधर्मी दोनों पर पानी बरसाता है। ईश्वर सबको प्यार करता है, सबका ख्याल रखता है और पश्चातापी पापी को क्षमा करता है। मनुष्य को विधाता पर भरोसा रखना चाहिए। इस परम पिता की योग्य संतान बनने के लिए मनुष्य को दूसरों को प्रेम करना, दूसरों की सेवा करना तथा उनकी गलतियों को क्षमा करना है। इस नई व्यवस्था की मूल आज्ञा बिना शर्त प्रेम है और इसका स्वर्णिम नियम है- दूसरों से अपने प्रति जैसा व्यवहार चाहते हो, तुम भी उनके प्रति वैसा ही किया करो।

क्रिसमस ट्री सजाने की परंपरा

क्रिसमस ट्री सजाने की परंपरा जर्मनी में दसवीं शताब्दी के बीच शुरू हुई और इसकी शुरुआत करने वाला पहला व्यक्ति बोनिफेंस टुयो नामक एक अंगरेज धर्मप्रचारक था। इसके बाद अमेरिका के एक आठ साल के बीमार बच्चे ने क्रिसमस पेड़ को अपने पिता से सजवाया तब से क्रिसमस ट्री को रंग-बिरंगी बत्तियों, फूलों और कांच के टुकड़ों से सजाया जाने लगा। इंग्लैंड में 1841 में राजकुमार पिंटो एलबर्ट ने विंजर कासल में क्रिसमस ट्री को सजावाया था। उसने पेड़ के ऊपर एक देवता की दोनों भुजाएं फैलाए हुए मूर्ति भी लगवाई, जिसे काफी सराहा गया। क्रिसमस ट्री पर प्रतिमा लगाने की शुरुआत तभी से हुई। पिंटो एलबर्ट के बाद क्रिसमस ट्री को घर-घर पहुंचाने में मार्टिन लूथर का भी काफी हाथ रहा। क्रिसमस के दिन लूथर ने अपने घर वापस आते हुए आसमान को गौर से देखा तो पाया कि वृक्षों के ऊपर टिमटिमाते हुए तारे बड़े मनमोहक लग रहे हैं। मार्टिन लूथर को तारों का वह दृश्य ऐसा भाया कि उस दृश्य को साकार करने के लिए वह पेड़ की डाल तोड़ कर घर ले आया। घर ले जाकर उसने उस डाल को रंगबिरंगी पन्नियों, कांच एवं अन्य धातु के टुकड़ों, मोमबत्तियों आदि से खूब सजा कर घर के सदस्यों से तारों और वृक्षों के लुभावने प्राकृतिक दृश्य का वर्णन किया। वह सजा हुआ वृक्ष घर सदस्यों को इतना पसंद आया कि घर में हर क्रिसमस पर वृक्ष सजाने की परंपरा चल पड़ी। 1920 की बात है, सान फ्रांसिस्को शहर में पांच साल की बालिका की हालत गंभीर थी। उसके पिता सैंडी ने कुछ बड़े-बड़े मिट्टी के हंडों पर चित्रकारी की और उन्हें घर से सड़क की दूसरी तरफ रस्सी पर लटका कर दिखाया। वे इतने सुंदर लगे कि काफी लोग उन्हें देखने को इकट्ठे हो गए। सौभाग्य की बात थी कि नए साल तक बालिका भी ठीक हो गई। इस घटना से सैंडी बड़ा चकित हुआ। अब वह लोगों को क्रिसमस वृक्ष सजाने के अलावा लगाने के लिए भी कहता। उसने कैलिफोर्निया में एक संस्था बनाई, जो पेड़ लगाने के उत्सुक लोगों को रेडवुड वृक्ष के पौधे मुफ्त भेजती थी। सैंडी ने 20 साल तक रेडियो, समाचार-पत्रों आदि में लेख और व्याख्यान देकर लोगों को पेड़ लगाने के लिए उत्साहित किया।

क्रिसमस ट्री की कथा है कि जब महापुरुष ईसा का जन्म हुआ तो उनके माता-पिता को बधाई देने आए देवताओं ने एक सदाबहार फर को सितारों से सजाया। कहा जाता है कि उसी दिन से हर साल सदाबहार फर के पेड़ को क्रिसमस ट्री प्रतीक के रूप में सजाया जाता है।

विदेशों में कैसे सजाया जाता है क्रिसमस ट्री

- योरपीय मुल्कों में क्रिसमस की पूर्व संध्या को क्रिसमस ट्री दुल्हन की तरह सजाया जाता है। इस पर बिजली के रंगबिरंगे बल्ब जगमगाते रहते हैं। देश-विदेश के महकते फूल भी इसकी शोभा में चार चांद लगाते हैं। हीरे-मोती से जड़े कंगन इसकी पतली-पतली टहनियों में बड़ी तरकीब से पिरोए जाते हैं। ये कंगन अपनी बहुरंगी आभा से क्रिसमस ट्री को और भी ज्यादा रोशन करने लगते हैं।
- अमेरिका के अरबपति तो क्रिसमस ट्री की विशेष सज्जा के लिए कुछ खास किस्म के कीमती आभूषणों का प्रयोग करते हैं। ये आभूषण हवा के साथ-साथ तरह-तरह की खुशबू से महकने भी लगते हैं। बाद में इन आभूषणों को गरीबों में बांट दिया जाता है।
- स्विस वैज्ञानिकों का कहना है कि क्रिसमस के पेड़ में आनुवांशिक परिवर्तन कर उन्हें स्वयं ही प्रदीप्त होने वाला बनाया जा सकता है। इतना ही नहीं, आनुवांशिक परिवर्तन वाले पेड़ विद्युत सर्पमीन की तरह आवाज भी निकाल सकेंगे।
- इस संदर्भ में ज्यूरिख के वैज्ञानिक डॉ. बर्नार्ड का कहना है क्रिसमस ट्री में जैविक परिवर्तन कर प्रकाश संश्लेषण के जरिए विद्युत उत्पादन किया जा सकता है। हां, आनुवांशिक परिवर्तन के उपरांत इन पेड़ों को कहीं भी लगाया जा सकता है।
- इंग्लैंड के निवासी जन्मदिन, विवाह एवं मृत्यु पर क्रिसमस ट्री जमीन में रोपते हैं, ताकि धरती सदा हरियाली से झूमती रहे।

गो कैरोलिंग दिवस

दुनिया को शांति और अहिंसा का पाठ पढ़ाने वाले प्रभु यीशु मसीह के जन्मदिन क्रिसमस से ठीक पहले उनके संदेशों को भजनों (कैरल) के माध्यम से घर-घर तक पहुंचाने की प्रथा को विश्व के विभिन्न हिस्सों में 'गो कैरोलिंग दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

दिल्ली स्थित रोमन कैथलिक चर्च के प्रवक्ता फादर डोमेनिक इमैनुअल के अनुसार क्रिसमस से ठीक पहले कैरोलिंग दिवस के दिन ईसाई धर्मावलंबी रंगबिरंगे कपड़े पहनकर एक-दूसरे के घर जाते हैं और भजनों के माध्यम से प्रभु के संदेश का प्रचार-प्रसार करते हैं। उन्होंने कहा, 'प्रभु की भक्ति में डूबे श्रद्धालुओं के समूह में भजन गायन का यह सिलसिला क्रिसमस के बाद भी कई दिनों तक जारी रहता है। कैरल एक तरह का भजन होता है जिसके बोल क्रिसमस या शीत ऋतु पर आधारित होते हैं। ये कैरल क्रिसमस से पहले गाए जाते हैं।'' डोमेनिक ने कहा, 'ईसाई मान्यता के अनुसार कैरल गाने की शुरुआत यीशु मसीह के जन्म के समय से हुई। प्रभु का जन्म जैसे ही एक गौशाला में हुआ वैसे ही स्वर्ग से आए दूतों ने उनके सम्मान में कैरल गाना शुरू कर दिया और तभी से ईसाई धर्मावलंबी क्रिसमस के पहले ही कैरल गाना शुरू कर देते हैं।'' फादर डोमेनिक ने कहा कि गो कैरोलिंग दिवस एक ऐसा मौका होता है जब लोग बड़े धूमधाम से प्रभु यीशु की महिमा, उनके जन्म की परिस्थितियों, उनके संदेशों, मां मरियम द्वारा सहे गए कष्टों के बारे में भजन गाते हैं। डोमेनिक ने बताया कि प्रभु यीशु मसीह का जन्म बहुत कष्टमय परिस्थितियों में हुआ। उनकी मां मरियम और उनके पालक पिता जोसफ जनगणना में नाम दर्ज कराने के लिए जा रहे थे।उन्होंने कहा कि इसी दौरान मां मरियम को प्रसव पीड़ा हुई लेकिन किसी ने उन्हें रूकने के लिए अपने मकान में जगह नहीं दी। अंततः एक दंपति ने उन्हें अपनी गौशाला में शरण दी जहां प्रभु यीशु मसीह का जन्म हुआ। फादर डोमेनिक ने बताया कि भारत में भी यह दिन बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। नागालैंड, मिजोरम, मणिपुर समेत समूचे पूर्वोत्तर भारत में लोग विशेषकर युवा बेहद उत्साह के साथ टोलियों में निकलते हैं और रात भर घर-घर जाकर कैरल गाते हैं।

उपहारों का आदान-प्रदान

लीजिए, क्रिसमस आ गया! प्रेम, करुणा, क्षमा और सद्भावना का संदेश देने वाले ईसा मसीह का जन्मदिन। यूं तो यह विश्व की एक तिहाई आबादी यानी ईसाइयों का त्योहार है, लेकिन क्रिसमस का तिलस्म ईसाइयों तक सीमित नहीं है और क्यों नहीं, आखिर ईसा का संदेश देश, काल, समुदाय, संस्कृति की सीमाओं से परे है। यही कारण है कि क्रिसमस की धूम किसी न किसी रूप में दुनिया भर में मची रहती है। क्रिसमस सिर्फ ईसा के शाश्वत संदेश को याद करने व उनके जन्म की खुशियां मनाने के पर्व तक सीमित नहीं है। विश्व के कई देशों में यह वर्षभर का सबसे बड़ा आर्थिक उत्प्रेरक भी है। इनमें विश्व अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने वाले अमेरिका, योरप के साथ-साथ अन्य कई देश भी शामिल हैं। जहां नुक्कड़ की दुकानों से लेकर बड़े-बड़े मॉल्स तक में क्रिसमस पर तमाम वस्तुओं की बिक्री सामान्य से कई गुना तक बढ़ जाती है। अनेक छोटी-बड़ी कंपनियां इस अवसर पर अपने नए उत्पाद लांच करती हैं। लुभावने सेल व डिस्काउंट योजनाएं तो होती ही हैं। बिक्री इसलिए भी अधिक होती है क्योंकि लोग क्रिसमस पर केवल स्वयं के लिए ही खरीददारी नहीं करते बल्कि रिश्तेदारों, मित्रों, स्नेहियों को भेंट करने के लिए उपहार भी खरीदते हैं। कंपनियां अपने कर्मचारियों को उपहार देने के लिए थोक में ऑर्डर देती हैं। क्रिसमस पर जमकर खरीददारी करते हैं और उपहारों का आदान-प्रदान भी करते ही हैं। पसंद न आने वाले उपहारों की आपस में अदला-बदली कर लेने का चलन भी काफी बढ़ गया है। आपको कहीं से मिला उपहार मुझे पसंद है और मुझे मिल गया है आपकी पसंद का उपहार, तो चलो एक्सचेंज कर लें। आप भी खुश, मैं भी खुश। उपहार देने वालों का कोई नुकसान नहीं हुआ और दुकानदार तो खैर, माल बेचकर खुश है ही। चारों ओर खुशियां फैलाने से बेहतर क्या तरीका होगा क्रिसमस मनाने का!

सार समाचार

श्रीलंका के प्रधानमंत्री राजपक्षे ने भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की

तिरुपति (आंध्र प्रदेश)। श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे ने शुक्रवार को यहां के निकट तिरुमला में भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना की। भगवान वेंकटेश्वर मंदिर के एक अधिकारी ने ह्यपीटीआई-भाषाह्न को बताया कि राजपक्षे (76) अपनी पत्नी श्रीरांति के साथ बृहस्पतिवार दोपहर को यहां पहुंचे। मंदिर के एक अधिकारी ने बताया कि रात में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अतिथि गृह में रुकने के बाद सुबह पारंपरिक परिधान पहने श्रीलंका के प्रधानमंत्री ब्रह्म मुहूर्त में मंदिर पहुंचे और उन्होंने भगवान वेंकटेश्वर की पूजा की। इससे पहले मंदिर के ह्यमहाद्वारमह्न पहुंचने पर राजपक्षे का पुजारियों ने पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। इस दौरान मंदिर के शीर्ष पदाधिकारी मौजूद थे। अधिकारी ने बताया कि पूजा-अर्चना के बाद मंदिर के पुजारियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच राजपक्षे दंपति को मंदिर के विशाल श्री रंगनायक मंडपम में आशीर्वाद दिया। अधिकारी ने बताया कि श्रीलंका के प्रधानमंत्री को मंदिर प्रबंधन ने भगवान वेंकटेश्वर का एक चित्र और लड्डू प्रसाद भेंट किया। पूर्व में भी राजपक्षे इस प्राचीन मंदिर में पूजा अर्चना कर चुके हैं,उस दौरान वह देश के राष्ट्रपति थे।

अफगानिस्तान को मानवीय सहायता उपलब्ध कराने संबंधी UNSC के प्रस्ताव का पाक ने स्वागत किया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा स्वीकार किए उस प्रस्ताव का स्वागत किया है, जिसमें अफगानिस्तान को मानवीय और अन्य सहायता भेजे जाने की अनुमति प्रदान की गई है। साथ ही इसे सही दिशा में बढ़ाया गया कदम करार दिया है। सुरक्षा परिषद ने बुधवार को अफगानिस्तान को मानवीय सहायता के लिए प्रतिबंधों से छूट देने संबंधी प्रस्ताव पारित किया। प्रस्ताव में यह रेखांकित किया गया है कि सुरक्षा परिषद को प्रदान की जाने वाली सहायता की निगरानी के साथ ही कोष के सही उपयोग को सुनिश्चित करना चाहिए। पाकिस्तानी विदेश कार्यालय ने एक बयान में कहा, यह प्रस्ताव बेहद अहम समय पर आया है और अफगानिस्तान के लोगों की सहायता के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा महसूस की गई तात्कालिकता की भावना को दर्शाता है जो दशकों लंबे संघर्ष के चलते दुश्वारियां झेल रहे हैं।

अफगानिस्तान में तालिबान के आने के बाद 80 प्रतिशत महिला पत्रकार हुई बेरोजगार

वाशिंगटन । हाल ही में अध्ययन के अनुसार अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद से 6400 से अधिक पत्रकारों को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा है। एक अध्ययन में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से अफगान मीडिया में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है ।अभी तक 231 मीडिया घरों को बंद कर दिया गया है ।अध्ययन के आधार पर हर दस मीडिया संस्थानों में से 4 मीडिया संस्थान गायब हो गए हैं। इसके साथ ही 60 प्रतिशत पत्रकार अब अफगान में काम भी नहीं कर पा रहे हैं।

अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे का सबसे बुरा असर महिला पत्रकारों पर हुआ है। तालिबान की सत्ता में लगभग 80 प्रतिशत महिला पत्रकारों की नौकरी चली गई है ।गर्मियों की शुरूआत में अफगानिस्तान में 543 मीडिया संस्थान थे, जिनमें से नवंबर के अंत तक केवल 312 मीडिया संस्थान ही काम कर पा रहे हैं। इसका मतलब है कि सिर्फ तीन महीनों के अंतराल में अफगानिस्तान से 43 प्रतिशत मीडिया संस्थान गायब हो गए। अध्ययन में बताया गया कि चार महीने पहले अफगान के सभी क्षेत्रों में कम से कम 10 निजी मीडिया संस्थान थे, लेकिन आज वहां कोई भी मीडिया संस्थान नहीं है। पर्वान के उत्तरी पहाड़ी क्षेत्र में 10 मीडिया संस्थान हुआ करते थे, लेकिन आज वहां केवल तीन मीडिया संस्थान काम कर रहे हैं। पश्चिमी शहर हेरात और आसपास के क्षेत्र देश का तीसरा सबसे बड़ा मीडिया क्षेत्र था, जहां 51 मीडिया संस्थानों में से आज केवल 65 प्रतिशत गिरावट के साथ 18 संस्थान ही काम कर रहे हैं। वहीं, मध्य काबुल क्षेत्र में देश के सबसे ज्यादा मीडिया संस्थान था, लेकिन वर्तमान में वहां भी हर दो मीडिया संस्थान में एक गायब है। 15 अगस्त से पहले 148 मीडिया संस्थानों में से आज केवल 72 ही काम कर रहे हैं। गौरतलब है, कि तालिबान ने अगस्त में अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद पहली प्रेसवार्ता में महिलाओं के अधिकारों, मीडिया की स्वतंत्रता और पूर्व सरकार में काम कर रहे सरकारी अधिकारियों को माफी देने का वादा किया था। हालांकि इन सबके अलावा अन्य लोगों को भी तालिबान के प्रतिशोध का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही अफगानिस्तान में तालिबान की ओर से पत्रकारों पर बढ़ते अत्याचार की खबरें सामने आई हैं। साथ ही तालिबान की सत्ता के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने वाले लोगों को तालिबान द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा है।

बांग्लादेश में बीच नदी में नाव में लगी आग, 32 लोगों की मौत

ढाका । बांग्लादेश में शुक्रवार को नौका में आग लगने से 32 लोगों की मौत हो गई है। स्थानीय पुलिस प्रमुख मोइनुल इस्लाम ने बताया तीन मंजिला ओभिजन 10 में नदी के बीच में आग लग गई। उन्होंने बताया कि हमने अब तक 32 शव बरामद किए हैं। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। आग से नौका में सवार अधिकांश लोगों की मौत हो गई और कुछ नदी में कूदने के बाद डूब गए। यह घटना राजधानी ढाका से 250 किलोमीटर (160 मील) दक्षिण में दक्षिणी ग्रामीण शहर झकाकठी के पास शुक्रवार सुबह हुई है। मौके पर बड़े पैमाने पर पहुंचे अधिकारियों के नेतृत्व में राहत और बचाव कार्यक्रम शुरू किया गया है।

यूएन्स सीक्रेट सर्विस का बड़ा खुलासा, कोविड-19 राहत कोष से हुई 100 बिलियन की चोरी हुई

वाशिंगटन । अमेरिका की सीक्रेट सर्विस कोरोना महामारी राहत कार्यक्रमों के बड़े घोटाले की जांच में लगी है। एक चौंकाने वाले खुलासे में अमेरिकी गुप्त सेवा ने कथित तौर पर कहा है कि संयुक्त राज्य में कोरोना वायरस राहत कार्यक्रमों से कम से कम 100 बिलियन की चोरी हुई है। महामारी की वजह से व्यवसायों और अपनी नौकरी गंवाने वाले लोगों की मदद के लिए स्थापित कोविड -19 राहत कार्यक्रमों से ये फ्रॉड हुआ है। एजेंसी ने कथित तौर पर बेरोजगारी लाभ और ऋण धोखाधड़ी में 1.2 बिलियन डॉलर की वसूली की, जबकि धोखाधड़ी राशि में 2.3 बिलियन डॉलर लौटाए और महामारी के दौरान किए गए धोखाधड़ी से जुड़े 900 से अधिक मामलों की जांच चल रही है।

सीक्रेट सर्विस पता लगाने में जुटी

900 से ज्यादा सक्रिय मामले

100 की गिरफ्तारी

95 आपराधिक मामले

3 .5 बिलियन बरामद

वर्जीनिया के पूर्वी जिले की अटॉर्नी जेसिका एबर ने कहा कि इस साल की शुरूआत से एजेंसी ने 30 प्रतिवादियोंर पर कोविड-19 महामारी से जुड़े योजनाओं में धोखाधड़ी के आधार पर मामला दर्ज किया। एजेंसी ने कहा कि धोखाधड़ी पेचेक प्रोटेक्शन प्रोग्राम (पीपीपी), आर्थिक चोट आपदा ऋण (ईआईडीएल) कार्यक्रम और बेरोजगारी बीमा (यूआई) कार्यक्रम से संबंधित थी। पीपीपी धोखाधड़ी में एजेंसी ने पाया कि व्यक्तिगत व्यवसाय के मालिकों ने बड़े ऋण प्राप्त करने के लिए पेरोल खर्च बढ़ा दिया था और व्यावसायिक संस्थाओं और आय के बारे में झूठे दावों का उपयोग करके कई ऋणों के लिए आवेदन किया था। बेरोजगारी बीमा धोखाधड़ी घोटाले में एजेंसी ने पाया कि आपराधिक समूहों ने यूआई लाभों के लिए फाइल करने के लिए चोरी की पहचान का उपयोग करके धन को लक्षित किया था।

उत्तरी कैलीफोर्निया में भारी बर्फबारी के बीच निकलते हुए वाहन।

ब्रह्मांडीय घटनाओं का सुलझाने में मदद करेगा जेम्स वेब टेलीस्कोप

वाशिंगटन ।(एजेंसी)

नासा ने लांच से पहले जेम्स वेब टेलीस्कोप की तस्वीरें जारी की हैं।यह वेब टेलिस्कोप जल्द ही अंतरिक्ष में लांच होने वाला सबसे शक्तिशाली टेलिस्कोप बनने की कतार में है। मौसम और तकनीक के कारण लांचिंग में देरी का सामना करने के बाद, जेम्स वेब टेलीस्कोप अब पूरी तरह से तैयार है।इस फ्रेंच गुयाना स्थित लांचिंग बेस से 25 दिसंबर को अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। जेम्स वेब टेलीस्कोप एक नई तरह का स्पेस टेलीस्कोप है। जो हबल का सक्सेसर है,वहां इंफ्रारेड लाइट के जरिए अंतरिक्ष के छिपे हुए हिस्सों को दिखाएगा।इस पृथ्वी से 1.5 मिलियन किलोमीटर की दूरी पर अंतरिक्ष में स्थापित किया जाएगा। इस टेलीस्कोप की मदद से हम ग्रह प्रणालियों को मापने और वहां संभावित जीवन की तलाश करने में सक्षम होने वाले है। साथ ही तारों के निर्माण और आकाशगंगाओं में हो रहे बदलावों पर भी नजर रख पाएंगे। जेम्स वेब टेलीस्कोप 25 दिसंबर 2021 को कौरौ गुयाना के पास स्थित यूरोपीय स्पेसपोर्ट से एरियन 5 राकेट पर लांच किया जाएगा।

अंतरिक्ष एजेंसी नासा के मुताबिक, जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप अब तक निर्मित सबसे जटिल अंतरिक्ष लेबोरेटरी है। इसका निर्माण सिलिकान वैली में नासा की विशेषज्ञता के महत्वपूर्ण योगदान से संभव हुआ है। इस टेलीस्कोप के जरिए वैज्ञानिकों को ब्रह्मांड के उन हिस्सों का पता लगाने में मदद मिलेगी जिन्हें पहले कभी नहीं देखा गया। बताया जा रहा है कि जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप 13.5 अरब साल पहले हुए ब्रह्मांडीय घटनाओं पर रोशनी डालेगा। यह पहली लेबोरेटरी है, जो सबसे शुरूआती आकाशगंगाओं की खोज करने में सक्षम है और ब्रह्मांड की हमारी समझ को बदल सकती है।

भारत/पाक के बीच इस साल भी रही तकरार, कम नहीं हुई जन्मजात शत्रुता

नई दिल्ली (एजेंसी)

2021 में भी भारत और पाकिस्तान के संबंध उतार-चढ़ाव वाले रहे। दोनों देशों के बीच इस साल भी स्थितियां अनुकूल नहीं हो पाईं। सीमा पार आतंकवाद को लेकर भारत लगातार पाकिस्तान पर हमलावर रहा तो वही पाकिस्तान ने भी कश्मीर राग को अलापना इस साल भी बंद नहीं किया। आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान की ओर से भारत को मौखिक आश्वासन तो जरूर दिया गया लेकिन भारत अपने पुराने स्टैंड पर कायम है जिसमें कहा गया था कि बोली और गोली एक साथ नहीं हो सकती। पाकिस्तान पहले आतंकवादियों को पनाह देना बंद करें उसके बाद बात होगी। इस साल भी कश्मीर में पाकिस्तान प्रेरित कई आतंकवादियों को मार गिराया गया है जबकि 1-2 को जिंदा भी पकड़ा गया। इसके अलावा जम्मू में पाकिस्तान की ओर से ड्रोन भी भेजे गए जिसके बाद से भारत की ओर से कड़ा रुख अख्तियार किया गया। कश्मीर पर भारत का स्टैंड पहले जैसा साफ और क्लियर रहा कि यह हमारा अंदरूनी मसला है और इसमें किसी की दखलंदाजी नहीं चाहिए।

पहले पाकिस्तान ने कश्मीर में अगस्त, 2019 के कदमों (अनुच्छेद 370 के अधिकांश प्रावधानों को निरस्त करना) को उलटने पर भारत के साथ बातचीत शुरू करने की शर्त रखी थी, लेकिन जनरल बाजवा ने यह कहकर स्वर धीमे कर लिए कि भारत को अनुकूल माहौल बनाना चाहिए। प्रधानमंत्री इमरान खान, जिन्होंने 2019 में भारत द्वारा जम्मू और कश्मीर के विशेष दर्जे को समाप्त करने के बाद से कड़ा रुख अपनाया था, ने भी यह कहकर अपनी बयानबाजी को कम कर दिया कि पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सर्वोपरि हैं। साल के अंत में, प्रधानमंत्री खान ने नौ दिसंबर को इस्लामाबाद में एक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि कश्मीर विवाद के समाधान तक भारत के साथ शांति संभव नहीं है। लेकिन उन्होंने इस बार एक और बाधा बताईः आरएसएस की विचारधारा। कुल मिलाकर देखे तो भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों के लिए, जैसे-जैसे एक और साल समाप्त होता जा रहा है, चीजें फिर से उसी ढर्रे पर लौट गईं। 31 मार्च को, पाकिस्तान ने भारत को लगभग चौंका दिया जब उसकी निर्णय लेने वाली शीर्ष संस्था, आर्थिक समन्वय समिति (ईसीसी) ने भारत से चीनी और कपास के आयात पर प्रतिबंध हटा दिया। महीनों बाद नवंबर में, पाकिस्तान ने चुपचाप भारत को कश्मीर और संयुक्त अरब अमीरात के बीच सीधी उड़ानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र का उपयोग करने की अनुमति दी, लेकिन उसकी नियति भी पिछले सकारात्मक कदमों से अलग नहीं थी। एक हफ्ते बाद इस्लामाबाद ने अनुमति वापस ले ली। उड़ानों की अनुमति क्यों दी गई और उन्हें क्यों बंद किया गया, इसका कोई कारण नहीं बताया गया। हालांकि इससे रिश्तों में एक बार फिर से कड़वाहट देखने को मिली। अफगानिस्तान की स्थिति ने पाक-भारत संबंधों के संदर्भ में एक सकारात्मक घटनाक्रम को उभारा। नवंबर में, भारत ने करतारपुर गलियारा को फिर से खोल दिया, जो पाकिस्तान में गुरु नानक देव के अंतिम विश्राम स्थल,गुरुद्वारा दरबार साहिब को पंजाब के गुरदासपुर जिले में डेरा बाबा नानक गुरुद्वारे से जोड़ता है। दोनों पक्ष इस बात पर सहमत होने में भी विफल रहे कि पाकिस्तान में सजायाफ्ता भारतीय कैदी कुलभूषण जाधव को एक पाकिस्तानी सैन्य अदालत द्वारा दोषी ठहराए जाने के खिलाफ इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में उनकी समीक्षा अपील में उनका प्रतिनिधित्व कैसे किया जाना चाहिए। जब पाकिस्तान और भारत फरवरी 2021 में अत्यधिक अस्थिर नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर शांति बहाल करने के लिए सहमत हुए, तो ऐसा लगा कि वे फिर से दुश्मनी और अविश्वास की ऊबड़-खाबड़ राह से मुड़ने के लिए तैयार हैं। हालांकि, आने वाले कुछ महीनों में साफ हो गया कि यह एक और मृगतृष्णा थी। पाकिस्तान-भारत संबंधों की कहानी एक कदम आगे, दो कदम पीछे कहावत वाली है। अब तक, द्विपक्षीय संबंधों के संदर्भ में लगभग हर सकारात्मक कदम पर जन्मजात शत्रुता हावी रही है जो अक्सर आम भावनाओं से प्रेरित रहती है।

जिनपिंग के साथ मिलकर हाईटेक हथियार बना रहा रूस, ओलंपिक बहिष्कार पर बोले पुतिन- चीन के विकास को कोई नहीं रोक सकता

नयी दिल्ली (एजेंसी)

किसी भी देश की ताकत का अंदाजा उसकी बेहतर सैन्य शक्ति और हाईटेक हथियारों के आधार पर आंका जाता है। रूस और चीन की एक बड़ी साझेदारी का खुलासा हुआ है। ये खुलासा रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने खुद किया है। पुतिन ने कहा है कि रूस और चीन ने उच्च तकनीक वाले हथियार विकसित करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। रूसी समाचार एजेंसी स्पुतनिक के अनुसार चीनी सेना सबसे उन्नत हथियार प्रणालियों से लैस है। हम यहां तक कि अलग-अलग हाई-टेक हथियार भी एक साथ विकसित कर रहे हैं। हम अंतरिक्ष, विमानन, के क्षेत्र में भी आपस में सहयोग कर रहे हैं। साथ ही साथ दोनों देशों के सशस्त्र बलों में भी सहयोग बढ़ रहा है।

पुतिन ने कहा कि रूस 2060 के बाद चीन को ऊर्जा संसाधनों की आपूर्ति करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि परमाणु ऊर्जा, उच्च तकनीक सहित सभी क्षेत्रों में मिलकर काम करना जारी रखेंगे। राष्ट्रपति पुतिन ने अभी बताया कि मास्को का बीजिंग के साथ आर्थिक सहयोग बना हुआ है, जिसके कारण एशिया तेजी से विकास कर रहा है। पुतिन ने मास्को और बीजिंग की मजबूत साझेदारी का जिक्र करते हुए बताया कि दोनों देशों ने अब तक करीब 100 अरब डॉलर से अधिक का कारोबार किया है, जिसमें अलग-अलग क्षेत्रों में काम किया गया है, जिसमें परमाणु ऊर्जा, मानवाधिकारों और अंतरिक्ष शामिल हैं।

ओलंपिक बहिष्कार चीन के विकास को रोकना का प्रयास

बीजिंग में शीतकालीन ओलंपिक का बहिष्कार करने के कुछ देशों के फैसले पर टिप्पणी करते हुए रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि कोई भी देश चीन के विकास को रोक नहीं सकता है। पुतिन ने बहिष्कार को चीन के विकास को रोकने का प्रयास, संभावित प्रतिस्पर्धियों को अपना सिर उठाने से रोकना बताया।

अमेरिका में कोविड-19 रोधी दवा को मंजूरी दी गई, बाइडन ने बताया 'महत्वपूर्ण कदम'

वाशिंगटन। अमेरिकी स्वास्थ्य नियामकों ने बुधवार को एक कोविड-19 रोधी दवा को मंजूरी दी, जिसे राष्ट्रपति जो बाइडन ने वैश्विक महामारी से निपटने की दिशा में एक 'महत्वपूर्ण कदम' बताया है। यह दवा 'फाइजर' की एक गोली है, जिसे अमेरिका के लोग संक्रमण के खतरनाक असर से बचने के लिए घर पर ही ले पाएंगे। बाइडन ने कहा कि उनका प्रशासन दवा का सामान वितरण सुनिश्चित करने के लिए भी कदम उठाएगा। यह 'पैक्सलोविड' दवा संक्रमण की चपेट में आते ही उससे निपटने का एक बेहतर तरीका है, हालांकि इसकी प्रारंभिक आपूर्ति बेहद सीमित होगी। संक्रमण से निपटने के लिए अब तक जिन दवाओं को अधिकृत किया गया है, उन सभी के लिए आईवी या इंजेक्शन की जरूरत होती है। वहीं, 'मर्क' दवा कम्पनी की भी एक संक्रमण रोधी गोली को जल्द ही अधिकृत किया जा सकता है।

साल 2022 में ओमिक्रोन का दिखेगा और भी ज्यादा कहर, इस देश में आएंगे सबसे ज्यादा केस

मुंबई। (एजेंसी)

सिंगापुर। कोरोना वायरस के नए एवं अधिक संक्रामक स्वरूप 'ओमिक्रोन' के 2022 में सबसे अधिक मामले सामने आ सकते हैं। वहीं, वायरस के 'डेल्टा' स्वरूप की तुलना में यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को अधिक मात दे रहा है। सिंगापुर के विशेषज्ञों का ऐसा मानना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कोविड-19 वैश्विक महामारी को अगले साल खत्म करने के लिए विश्व से एक साथ आने का आह्वान किया है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक तेद्रोस अदहानोम ग्रेबेयेसस ने सोमवार को जिनेवा में पत्रकारों से कहा था, '2022 वह वर्ष होगा, जब हम वैश्विक महामारी को पूरी तरह खत्म कर देंगे।' इसके विपरीत, सिंगापुर के विशेषज्ञों का कहना है कि बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि 'ओमीक्रोन' स्वरूप कितना खतरनाक है। साथ ही उन्होंने कहा कि वैश्विक महामारी कब खत्म होगी, इसका पूवार्नुमान लगाने की कोशिश करना 'निरर्थक' है। जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ एवं एसोसिएट प्रोफेसर नताशा हॉवर्ड ने कहा, 'ऐसा प्रतीत होता है कि 2022 में विश्व में 'ओमीक्रोन' स्वरूप के सबसे अधिक मामले सामने आएंगे।' उन्होंने कहा कि 'ओमीक्रोन' स्वरूप अधिक संक्रामक है और 'डेल्टा' स्वरूप की तुलना में यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को अधिक मात दे रहा है। हॉवर्ड ने कहा, 'ओमीक्रोन' के अधिक फैलने से, संक्रमण के मामले और अस्पतालों में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या बढ़ सकती है। इसके प्रभाव अब भी स्पष्ट नहीं हैं, लेकिन इससे पता चलता है कि वैश्विक महामारी पर अभी तक काबू नहीं पाया गया है और कोविड-19 रोधी टीके लगवाने तथा उसकी 'बूस्टर' खुराक के विश्व में हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचने तक, नए स्वरूपों के सामने आने की आशंका बनी रहेगी।' इस बीच, सिंगापुर में बृहस्पतिवार को कोविड-19 के 322 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमण के मामले बढ़कर 2,77,042 हो गए। इन 322 नए मामलों में से 89 लोग ऐसे हैं जो दूसरे देशों से यहां आए हैं।

दलाई लामा ने अमेरिका की ओर से तिब्बती मामले पर उजरा जेया की नियुक्ति को सराहा

धर्मशाला। (एजेंसी)

तिब्बतीयों के आध्यात्मिक नेता दलाई लामा ने अमेरिका के उस कदम को सराहा है जिसमें उन्होंने सुश्री उजरा जेया को तिब्बती मुद्दों के लिए अमेरिका की विशेष समन्वयक नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति से इन दिनों खुशी की लहर है। तिब्बतीयों को उम्मीद है कि बाईडेन प्रशासन के इस कदम से चीन पर दवाब बनाया जा सकेंगा। और तिब्बती अंदोलन को भी नई दिशा मिलेगी। तिब्बत के मुद्दों के लिए अमेरिका की विशेष संयोजक के तौर पर जेया 2020 के तिब्बती नीति एवं सहयोग अधिनियम के अनुरूप तिब्बत के मामलों से संबंधित अमेरिकी सरकार की नीतियोंङ्क कार्यक्रमों और परियोजनाओं का समन्वय करेंगी ।दलाई लामा ने उजरा जेया को बधाई देते हुये अपने पत्र में उम्मीद जताई है कि उजरा जेया तिब्बती लोगों की स्थिति में सुधार लाने में महत्वपूर्ण योगदान देने में सक्षम होंगी। दलाई लामा ने लिखा है किह्लनिरंतर और लगातार अमेरिकी समर्थन स्वतंत्रता और सम्मान के लिए हमारे शांतिपूर्ण संघर्ष में तिब्बतियों के लिए महान प्रोत्साहन का स्रोत रहा है। यद्यपि मैंने एक निर्वाचित तिब्बती नेतृत्व को राजनीतिक अधिकार सौंप दिया है, फिर भी मैं तिब्बती पहचान, हमारी विशिष्ट संस्कृति और विरासत के अस्तित्व और तिब्बत के नाजुक प्राकृतिक पर्यावरण की सुरक्षा के बारे में चिंतित हूं। मुझे यह देखकर प्रसन्नता हो रही है कि आपने अपनी पहली टिप्पणी में उल्लेख किया था कि ये आपकी प्राथमिकताएं होंगी। जैसा कि आप जानते हैं, तिब्बती लोगों के शांतिपूर्ण संघर्ष में व्यापक अंतरराष्ट्रीय हित और समर्थन रहा है, जिनकी अहिंसा और करुणा की समृद्ध संस्कृति में दुनिया में योगदान करने की इतनी क्षमता है। दलाई लामा ने विश्वास जताया कि लंबे समय में सत्य की शक्ति प्रबल होगी ।ह्लमैं आपसे मिलने और उन मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए उत्सुक हूं जो आपके समर्थन और पहल से लाभान्वित हो सकते हैं। मुझे विश्वास है कि आप हमारे निर्वाचित तिब्बती नेतृत्व के निकट संपर्क में रहेंगे ।ह्लदलाई लामा ने कहा कि उन्हें यह देखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है कि तिब्बती मुद्दों के समन्वय के अलावा, लोकतंत्र की चिंता भी सुश्री जेया के पोर्टफोलियो का हिस्सा है और अमेरिका ने हाल ही में एक लोकतंत्र शिखर सम्मेलन आयोजित किया है ।उन्होंने निष्कर्ष निकाला, ह्लमेरा दृढ़ विश्वास है कि संयुक्त राज्य अमेरिका लोकतंत्र, स्वतंत्रता और मानवाधिकारों के मूलभूत मूल्यों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने में नेतृत्व की भूमिका निभा सकता है। अमेरिका ने तिब्बत के मुद्दों के लिए भारतीय मूल की राजनयिक उजरा जेया को अपना विशेष संयोजक नियुक्त किया है। उन्हें तिब्बत पर एक समझौते के लिए चीन और दलाई लामा या उनके प्रतिनिधियों के बीच ह्यठोस बातचीत' को आगे बढने का काम सौंपा गया है। अपने राजनयिक करियर में नई दिल्ली में भी तैनात रह चुकी जेया ने 2018 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति ड़ोनाल्ड़ ट्रंप की नीतियों के खिलाफ विदेश सेवा से इस्तीफा दे दिया था। वह नागरिक सुरक्षाङ्क लोकतंत्र और मानवाधिकारों की अवर सचिव भी हैं। तिब्बत के मुद्दों के लिए अमेरिका की विशेष संयोजक के तौर पर जेया 2020 के तिब्बती नीति एवं सहयोग अधिनियम के अनुरूप तिब्बत के मामलों से संबंधित अमेरिकी सरकार की नीतियोंङ्क कार्यक्रमों और परियोजनाओं का समन्वय करेंगी।

सार समाचार

काशी दौरे पर केन्द्रीय रेल मंत्री, रेलवे अफसरों के साथ बैठक और आगामी विधानसभा चुनाव का लेंगे जायजा

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव आज दो दिवसीय दौरे पर वाराणसी पधारे है। इस मौके पर वह अंजली गोयल, महाप्रबंधक बनारस रेल इंजन कारखाना (BLW), विनय कुमार त्रिपाठी, महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे, अनुपम शर्मा महाप्रबंधक पूर्व-मध्य रेलवे और प्रमोद कुमार, महाप्रबंधक उत्तर रेलवे, के साथ बैठक कर आगामी प्रोजेक्ट्स पर चर्चा कर रहे हैं। बैठक के बाद वह रोहनिया स्थित भाजपा के क्षेत्रीय कार्यालय जाएंगे और श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर दर्शन के साथ ही गंगा आरती में शामिल होंगे। अपने दौरे में रेल मंत्री कैंट और बनारस रेलवे स्टेशन का निरीक्षण कर यात्री सुविधाओं का भी जायजा लेंगे। रेल मंत्री के आगमन के मद्देनजर सभी रेलवे स्टेशनों से लेकर BLW तक जोरशोर से तैयारियां की गई हैं रेल मंत्री भाजपा के क्षेत्रीय कार्यालय, रोहनिया में पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक करने के अलावा जवाहर नगर एक्सटेंशन स्थित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय कार्यालय का भी निरीक्षण करेंगे। BLW की वर्कशॉप का निरीक्षण करने के बाद रात्रि विश्राम करेंगे। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव कल सुबह शनिवार को प्रयागराज के लिए रवाना हो जाएंगे। कल वह इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की कांफ्रेंस में हिस्सा लेंगे। कांफ्रेंस के बाद वह प्रयागराज रेलवे के अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे और भाजपा कार्यालय जाकर संगठन के लोगों के साथ 2022 उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लेंगे।

समाजवादी इत्र के कारोबारी के घर मिला इतना कैश की 24 घंटे बाद भी पूरी नहीं हुई नोटों की गिनती, 8 मशीनें लगीं

नई दिल्ली। कानपुर में कल इत्र कारोबारी के घर जिस तरह से छापेमारी हुई और इतना ज्यादा कैश बरामद हुआ कि आयकर विभाग को 8 मशीनों का इस्तेमाल करना पड़ा। आलम ये है कि 24 घंटे गुजर जाने के बाद भी नोटों की गिनती पूरी नहीं हो सकी। ये पूरी रकम 150 करोड़ रुपए की बताई जा रही है। शैल कंपनियों के जरिये 100 करोड़ रुपये से अधिक का लोन लेने की भी बात सामने आई है।

150 करोड़ का कैश मिला

कर चोरी की आशंका में जीएसटी इंटेलिजेंस महानिदेशालय की टीम ने बीते दिनों इत्र कारोबारी पीयूष जैन के घर छापा फैक्ट्री, ऑफिस, कोल्ड स्टोरेज और पेट्रोल पंप पर छापा मारा। रेड कानपुर, कन्नौज, गुजरात, मुंबई के ठिकानों पर मारी गई। आयकर विभाग को छापेमारी के दौरान जो मिला उसने पूरी टीम के होश उड़ा दिए। पान मसाला समूह से जुड़े समूह से जुड़ी छापेमारी में बड़े इत्र कारोबारी को भी जद में ले लिया गया। सूत्रों के मुताबिक छापेमारी में करीब 150 करोड़ का कैश मिला है। जिसे गिनने के लिए आठ मशीने लगानी पड़ी। रात भर रेड में मिले पैशों की गिनती चलती रही। जीएसटी विभाग की सूत्रों की मानें तो तीनों कारोबारी एक दूसरे से मिले हुए हैं।

समाजवादी इत्र लॉच करने वाले पीयूष जैन कौन हैं

पीयूष जैन इत्र के बड़े कारोबारी हैं। अखिलेश यादव के बेहद करीबी बातए जाते हैं। अभी हाल ही में उन्होंने समाजवादी पार्टी नाम से एक इत्र भी लॉच किया था। जिसकी वजह से वो काफी सुर्खियों में रहे थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पीयूष जैन 40 कंपनियों के मालिक हैं। इसमें कई शैल कंपनियां भी शामिल है। कन्नौज में इत्र बनाया जाता है और मुंबई में बड़ा शोरूम है।

लुधियाना बम विस्फोट मामले में केंद्र से मांगी मदद : चरणजीत सिंह चन्नी

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार ने लुधियाना जिला अदालत परिसर में हुए बम विस्फोट मामले की जांच कर उसके कारणों का पता लगाने के लिएकेंद्र सरकार से मदद मांगी है। चन्नी ने कहा कि उन्होंने विस्फोट के कुछ घंटे बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बात की। इसके बाद केंद्र ने बम विस्फोट की जांच के लिए पंजाब में कुछ टीम भेजी हैं। लुधियाना की जिला अदालत परिसर में बृहस्पतिवार को हुए विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि छह अन्य घायल हो गये। इसके बाद पंजाब सरकार ने राज्य भर में हाई अलर्ट जारी कर दिया। पुलिस को संदेह है कि अदालत परिसर की एक इमारत की दूसरी मंजिल के शौचालय में हुए विस्फोट में मारा गया व्यक्ति विस्फोटक लगाने की कोशिश कर रहा था, या फिर वह आत्मघाती हमलावर भी हो सकता है। मुख्यमंत्री ने विस्फोट के मद्देनजर खुफिया तंत्रों के विफल होने की आशंकाओं को सिरे से खारिज करते हुए कहा, 'ऐसा कुछ भी नहीं है। हम पूरी तरह से सतर्क हैं।' चन्नी ने बृहस्पतिवार को आशंका जतायी थी कि विस्फोट राज्य में ह्यह्यअराजकता' पैदा करने का प्रयास हो सकता है, जहां आने वाले समय में विधानसभा चुनाव होने हैं।

रायबरेली के बाद प्रयागराज में कांग्रेस को झटका तीन बार के विधायक राजेन्द्र त्रिपाठी भाजपा में शामिल

लखनऊ। यूपी में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर हर राजनीतिक दल और नेता अपने-अपने समीकरण दुरुस्त करने में जुटा है। इस बीच कांग्रेस को रायबरेली की विधायक अदिति सिंह के भाजपा में शामिल होने के बाद प्रयागराज में भी तगड़ा झटका लगा है। तीन बार के विधायक रहे राजेन्द्र त्रिपाठी पार्टी का दामन छोड़ भाजपा में शामिल हो गए हैं। राजेंद्र त्रिपाठी ने लखनऊ भाजपा कार्यालय में भाजपा ज्वाइनिंग कमेटी के अध्यक्ष लक्ष्मीकांत बाजपेयी की मौजूदगी में भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। जानकारों के मुताबिक उनका ऐसे अचानक पार्टी छोड़ना कांग्रेस के लिए बड़ा झटका है। राजेन्द्र त्रिपाठी तीन बार विधायक बनने के साथ ही यूपी कांग्रेस के मंत्री भी रह चुके हैं। जानकारों का कहना है कि इससे पहले जब रायबरेली सदर विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहीं अदिति सिंह ने कांग्रेस छोड़ भाजपा का दामन थामा था तब उसे भी पार्टी के लिए बड़ा नुकसान माना जा रहा था। अब राजेन्द्र त्रिपाठी के जाने से यह नुकसान और बड़ा हो गया है। कांग्रेस का संगठन इस इलाके में कमजोर हुआ है। गौरतलब है इससे पहले 2017 के चुनाव में पार्टी की वरिष्ठ नेता रहीं रीता बहुगुणा जोशी भी भाजपा में शामिल हो गई थीं। उनके बाद प्रयागराज में राजेन्द्र त्रिपाठी कांग्रेस के लिए काफी महत्वपूर्ण थे। राजेन्द्र त्रिपाठी के साथ ही बसपा के पूर्व विधायक कृष्ण पाल सिंह राजपूत, पूर्व आईएएस गुरबचन लाल, राष्ट्रीय लोक दल के प्रदेश महामंत्री मुनिदेव शर्मा समेत कई नेताओं ने भी भाजपा की सदस्यता ली है। मुनिदेव को रालोद अध्यक्ष अजीत सिंह का काफी करीबी माना जाता था।

ओवैसी ने यूपी पुलिस को दी खुलेआम धमकी

नई दिल्ली । ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने उत्तर प्रदेश में एक रैली को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस को खुलेआम धमकी दी है। इसके अलावा उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ 'असंसदीय' टिप्पणी कर एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। उत्तर प्रदेश में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, ओवैसी ने यूपी पुलिस के कर्मियों को धमकी देते हुए कहा, ग्मैं पुलिस अधिकारियों को याद दिलाना चाहता हूं कि उन्हें इस तथ्य को जानने की जरूरत है कि योगी और पीएम मोदी हमेशा नहीं रहेंगे। हम मुसलमान निश्चित रूप से समय के लिए मजबूर हैं, लेकिन याद रखें कि हम आपके अत्याचारों को नहीं भूलेंगे। हम आपके अत्याचारों को याद रखेंगे। अल्लाह आपको अपनी शक्ति से नष्ट कर देगा। हालात बदलेंगे, फिर कौन आएगा तुम्हें बचाने? योगी अपने मठ और मोदी पहाड़ों पर जाएंगे। फिर कौन तुझे बचाने आएगा। ओवैसी के बयानों पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने एआईएमआईएम प्रमुख को फटकार लगाते हुए कहा, ग्जब भी औरंगजेब और बाबर जैसे लोग देश में अत्याचार करने आएंगे, महाराणा प्रताप, शिवाजी, योगी और मोदी जैसा कोई व्यक्ति सामने आएगा।

आजादी का अमृत महोत्सव को जन-जन व हर मन का पर्व बनाएं: मुख्यमंत्री मनोहर लाल

चंडीगढ़ । (एजेंसी)

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आजादी का अमृत महोत्सव को भारत के जन-जन व हर मन का पर्व बनाने के आह्वान के मद्देनजर हरियाणा में व्यापक स्तर पर जनभागीदारी सुनिश्चित करते हुए अधिक से अधिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी, ताकि प्रदेश की जनता में देश प्रेम की भावना और सुदृढ़ हो तथा उन्हें आजादी के महत्व व इसके लिए दी गई कुर्बानियों का आभास हो।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को आजादी का अमृत महोत्सव के तहत प्रदेश स्तर पर चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों व गतिविधियों के सफल आयोजन के संबंध में आयोजित बैठक में आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए मुख्य सचिव हरियाणा की अध्यक्षता में गठित एक उच्चस्तरीय कमेटी की तरह ही उनकी यानी मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में भी एक अन्य आयोजन समिति गठित की जाए। प्रदेश स्तर पर यह कार्यक्रम 15 अगस्त 2023 तक आयोजित किए जाएंगे। अमृत महोत्सव के कार्यक्रम भारत विजन-2047 की तर्ज पर हरियाणा विजन-2047 के अनुरूप आयोजित किए जाएं। इन कार्यक्रमों के आयोजन ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के साथ स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों, महिलाओं, किसानों, कामगारों आदि सभी की भागीदारिता के साथ सुनिश्चित किए जाएं। इसमें सरकार के साथ विभिन्न संस्थाएं, एनजीओ आदि भी शामिल की जाएं। उन्होंने कहा कि भारत की आजादी में हरियाणा के वीरों का उल्लेखनीय योगदान रहा था और अनेक स्थान इसके साक्षी बने थे। इन सभी स्थानों को चिन्हित कर वहां पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। आजादी की लड़ाई में जिन परिवारों का योगदान रहा, उस परिवार के सदस्यों को सम्मानित किया जाए। आजादी का अमृत महोत्सव के आयोजन के मद्देनजर जो वेबसाइट बनाई गई हैं, उस पर जनता द्वारा दी जाने वाली जानकारी, स्टोरी आदि अपलोड की जाएं और इस संबंध में अधिक से अधिक जानकारी संकलित कर वेबसाइट पर डाली जाए। सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के सभी प्रचार टूल के साथ गांव स्तर पर व घर-घर तक आजादी के महोत्सव के संदेश पहुंचने चाहिए। साथ ही अन्य सभी विभाग भी आजादी के महोत्सव के तहत अपने कार्यक्रमों का आयोजन करें। इस महोत्सव के तहत जितनी अधिक जनभागीदारी होगी, इसके आयोजन का उद्देश्य उतना ही अधिक सफल होगा। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि आजादी के बाद भारत देश में व हरियाणा प्रदेश में गठन के बाद अनेक क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर बदलाव हुए हैं। ऐसे मौके पर प्रदेश की जनता की भलाई व प्रदेश को मॉडल रूप देने के लिए नए लक्ष्य तय किए जाएं। ग्रामीण व शहरी क्षेत्र का और अधिक विकास, स्कूल-कालेजों का नया प्रारूप तैयार करने तथा नैनो तकनीक से अधिक से अधिक लोगों तक विकास पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। प्रदेश के सभी 6900 गांवों में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, जिसमें प्रदेश के लोक कलाकारों, स्कूल व कालेज के विद्यार्थियों की भागीदारी की जाए। मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ. अमित अग्रवाल ने अमृत महोत्सव के आयोजन पर आधारित प्रजेंटेशन के माध्यम से जानकारी दी कि विभिन्न विभागों द्वारा अब तक 485 कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। इसी प्रकार पांच प्रमुख विषयों-स्वतंत्रता संग्राम, विजेता, उपलब्धियां, विचार व संकल्प के साथ जनभागीदारी पर करीब 1500 कार्यक्रम और आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि अंबाला कैंट में भारत की आजादी की पहली लड़ाई का शहीदी स्मारक बनाया जा रहा है। महेंद्रगढ़ के गांव नसीबपुर में शहीदी स्मारक का निर्माण किया जाएगा। सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग की ओर से प्रदेश के सभी जिलों में स्वतंत्रता संग्राम में हरियाणा के योगदान पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई। इसी प्रकार टैगोर थियेटर चंडीगढ़ व कुरूक्षेत्र में 1857 का संग्राम, हरियाणा के वीरों के नाटक का मंचन किया गया। इस नाटक का मंचन अन्य जिलों में भी किया जाएगा।

महिला सशक्तिकरण का दूसरा नाम है मणिपुर, नड्डा बोले- महिलाओं को आगे लाकर खड़ा करती है भाजपा

नयी दिल्ली (एजेंसी)

मणिपुर में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने है। सत्तारूढ़ भाजपा ने इसके लिए अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। इसी कड़ी में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा आज मणिपुर पहुंचे थे। मणिपुर में एक सभा को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि मणिपुर में मातृ शक्ति का सामाजिक और आर्थिक योगदान बहुत गहरा है। यहां का ईमा मार्केट सिर्फ महिलाओं द्वारा चलाया जाता है। महिला सशक्तिकरण का दूसरा नाम मणिपुर है। कॉमनवेल्थ और ओलंपिक खेलों में मणिपुर के खिलाड़ी मेडल्स की झड़ी लगाते हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उज्वला योजना के तहत मणिपुर में 8 करोड़ गैस कनेक्शन दिए गए जिसमें से 1.56 लाख इंफाल में दिए। पहले महिलाएं पेड़ काटकर लकड़ी इकट्ठा करती थीं उसके बाद घर में आकर चुल्हा जलाती थी उसके बाद भोजन कराती थी। आज इस सुविधा के बाद वह बस लाईटर जलाकर सारे काम कर लेती हैं। राज्यसभा सांसद नड्डा ने कहा कि बीजेपी महिलाओं को आगे लाकर खड़ा करती है। भारत की पहली महिला रक्षा मंत्री, पहली महिला शिक्षा मंत्री, पहली महिला विदेश मंत्री और पहली महिला वित्त मंत्री - सभी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नियुक्त किया। इसके अलावा 12 केंद्रीय मंत्री आज महिलाएं हैं। उन्होंने दावा किया कि मणिपुर की सरकार ने कई मानकों पर अच्छा प्रदर्शन किया है - उन्होंने 'बेटी बचाओ, बेटी पढाओ' अभियान के तहत लिंग अनुपात में सुधार किया है। उन्होंने महिलाओं को सशक्त बनाया है और शिशु और मातृ मृत्यु दर को भी कम किया है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत मणिपुर में 2.60 लाख शौचालय बने हैं। शौचालय निर्माण से महिलाओं को सशक्त किया गया है। नड्डा ने कहा कि 5 साल पहले मणिपुर किस पर चर्चा कर रहा था? रोडब्लॉक, नाकेबंदी - 3 दिन, 3 महीने या 3 साल के लिए भी। अब बीरेन सिंह जी के नेतृत्व में अब कोई रुकावट नहीं है। उन्होंने पूछा कि पीएम मोदी से पहले क्या कोई पीएम पूर्वोत्तर में आया था? पीएम मोदी पिछले कुछ सालों में 50 बार पूर्वोत्तर की यात्रा कर चुके हैं। हमने ये संकल्प लिया है कि एन बीरेन सिंह के नेतृत्व में ऑर्गेनिक मणिपुर बनाया जाएगा। मणिपुर में ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा दिया जाएगा। पूरे देश में मणिपुण ऑर्गेनिक प्रदेश के रूप में उबरेगा।

क्या थम गया उत्तराखंड कांग्रेस में मचा घमासान ? रावत बोले- कदम, कदम बढ़ाए जा, कांग्रेस के गीत गए जा

देहरादून। (एजेंसी)

उत्तराखंड में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाला है। इससे पहले पार्टी में घमासान मचा हुआ है। ऐसे में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी के वरिष्ठ नेता हरीश रावत और प्रदेश पार्टी नेताओं को अपने आवास पर तलब किया। इस दौरान राहुल गांधी ने नेताओं से बातचीत की और स्थिति को सुलझाया। राहुल गांधी से मुलाकात के बाद हरीश रावत ने कहा कि कदम, कदम बढ़ाए जा, कांग्रेस के गीत गए जा। समाचार एजेंसी के मुताबिक कांग्रेस नेता हरीश रावत ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष के पास हमेशा ये विशेषाधिकार रहा है कि चुनाव के बाद पार्टी बैठती है, कांग्रेस अध्यक्ष को नेता के संबंध में अपनी राय देते हैं और कांग्रेस अध्यक्ष नेता तय करती हैं। कैंपेन कमेटी के चेयरमैन के रूप में मैं चुनाव का नेतृत्व करूंगा। दरअसल, हरीश रावत के ट्वीट के बाद घमासान मचा हुआ था और उन्होंने कांग्रेस पर नाराजगी जताई थी। हालांकि 24 घंटे के भीतर ही उनका रुख नरम हो गया। उन्होंने कहा था कि मेरा ट्वीट रोजमर्रा जैसा ही ट्वीट है, मगर आज अखबार पढ़ने के बाद लगा कि कुछ खास है, क्योंकि भाजपा और आप पार्टी को मेरी ट्वीट को पढ़कर बड़ी मिर्ची लग गई है और इसलिये बड़े नमक-मिर्च लगाये हुये बयान दे रहे हैं।

दिल्ली से लखनऊ तक का सफर जल्द ही करीब साढ़े 3 घंटे में कर सकेंगे: नितिन गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)

दिल्ली से लखनऊ के बीच एक नए एक्सप्रेसवे का निर्माण होने जा रहा है, जिससे दोनों शहरों के बीच की दूरी घटकर मात्र साढ़े तीन घंटे के करीब रह जाएगी। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजपथ मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को अपनी सरकार के इस मेगा प्लान का खुलासा किया है। उन्होंने कहा है, 'हमने दिल्ली से लखनऊ को जोड़ने की एक योजना तैयार की है।' उन्होंने ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे (ईपीएफ) प्रोजेक्ट के लिए देश के किसी भी हाइवे के पहले इंटेलिजेंस ट्रांसपोर्ट सिस्टम (आईटीएस) के उद्घाटन के मौके पर ऐलान किया है कि प्रस्तावित एक्सप्रेसवे का भूमि पूजन समारोह अगले 10-12 दिनों के अंदर यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में की जाएगी। उन्होंने ये भी कहा है कि यह एक्सप्रेसवे लिंक भी पूरी तरह से सिग्नल फ्री होगा। इस मौके पर गडकरी ने कहा कि 'हमारे पास पहले से ही दिल्ली से गाजियाबाद के बीच एक्सप्रेसवे कनेक्टिविटी है और अगले 10-12 दिनों में हम कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे की आधारशिला रखेंगे। हम इस पर अध्ययन करेंगे कि कैसे इन दोनों एक्सप्रेस के बीच की कनेक्टिविटी को बेहतर किया जा सकता है। हमें इस लिंक में पड़ने वाले भीड़भाड़ वाले शहरों के लिए बायपास बनाना होगा या फिर एलिवेटेड स्ट्रेच तैयार करने होंगे। हम सभी पहलुओं पर अध्ययन करेंगे।' हालांकि, सूत्रों का कहना है कि दिल्ली और लखनऊ की दूरी को देखते हुए यह कठिन लग रहा है, लेकिन नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) इसपर विस्तार से अध्ययन करेगा कि किस तरह से इन दोनों राजधानियों के बीच की दूरी को घटाया जाए।

सावधान! देश में अभी तक ओमीक्रोन के 358 मामले आए सामने, महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा केस

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के नए स्वरूप 'ओमीक्रोन' के 122 नए मामले सामने आने के बाद, देश में इस स्वरूप के मामले बढ़कर 358 हो गए। इनमें से 114 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं या अन्य स्थानों पर चले गए हैं। ये मामले 17 राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों में सामने आए। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि महाराष्ट्र में 'ओमीक्रोन' स्वरूप के सबसे अधिक 88 मामले, दिल्ली में 67, तेलंगाना में 38, तमिलनाडु में 34, कर्नाटक में 31 और गुजरात में 30 मामले सामने आए। मंत्रालय की ओर से सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, भारत में एक दिन में कोविड-19 के 6,650 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,47,72,626 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 77,516 रह गई है। 374 और संक्रमितों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 4,79,133 हो गई।

आंकड़ों के अनुसार, देश में लगातार 57 दिन से कोविड-19 के दैनिक मामले 15 हजार से कम हैं। उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 77,516 हो गयी है, जो संक्रमण के कुल मामलों का 0.22 प्रतिशत है। यह दर मार्च 2020 के बाद से सबसे कम है। पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 775 की कमी दर्ज की गयी है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.40 प्रतिशत है, जो मार्च 2020 के बाद से सर्वाधिक है। मंत्रालय आंकड़ों के अनुसार, दैनिक संक्रमण दर 0.57 प्रतिशत दर्ज की गयी, जो पिछले 81 दिन से दो प्रतिशत से कम है। साप्ताहिक संक्रमण दर 0.59 प्रतिशत दर्ज की गयी, जो पिछले 40 दिन से एक प्रतिशत से कम है। देश में अभी तक कुल 3,42,15,977 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड-19 से मृत्यु दर 1.38 प्रतिशत है। राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 140.31 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी है। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितंबर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर को 50 लाख, 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर को ये मामले एक करोड़ के पार, इस साल चार मई को दो करोड़ के पार और 23 जून को तीन करोड़ के पार चले गए थे।

प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को गुरु पर्व पर लखपत साहिब गुरुद्वारा में आयोजित समारोह को संबोधित करेंगे

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को सिखों के पहले गुरु नानक देव के 552वें प्रकाश पर्व के अवसर पर गुजरात के कच्छ स्थित लखपत साहिब गुरुद्वारे में आयोजित गुरु पर्व समारोहों को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। पीएमओ ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी 25 दिसंबर को दोपहर करीब बारह बज कर तीस मिनट पर गुजरात के कच्छ में स्थित गुरुद्वारा लखपत साहिब में गुरु नानक देव जी के गुरु पर्व समारोह को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संबोधित करेंगे।' 'पीएमओ ने कहा कि हर साल 23 दिसंबर से 25 दिसंबर तक गुजरात के सिख लखपत साहिब गुरुद्वारे में गुरु नानक देव जी का गुरु पर्व मनाते हैं। गुरु नानक देव लखपत गुरुद्वारा साहिब में रुके थे। गुरुद्वारा लखपत साहिब में उनकी कुछ वस्तुयें रखी हुई हैं, जिनमें खड़ाऊं, पालकी और पांडुलिपियां शामिल हैं। कुछ पांडुलिपियां गुरुमुखी लिपि में हैं। वर्ष 2001 में आए भूकंप से इस गुरूद्वारे को भी नुकसान पहुंचा था। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में मोदी ने बाद में इसका जीर्णोद्धार कराया था। पीएमओ ने कहा, 'इस पहल से सिख पंथ के प्रति प्रधानमंत्री की गहरी आस्था का पता चलता है। उनकी आस्था हाल के अन्य अवसरों पर भी नजर आई, जैसे गुरु नानक देव जी का 550वां प्रकाश पर्व, गुरु गोबिन्द सिंह जी का 350वां प्रकाश पर्व और गुरु तेग बहादुर जी का 400वां प्रकाश पर्व।' ज्ञात हो कि पंजाब में अगले साल की शुरूआत में विधानसभा के चुनाव होने हैं।

शिअद और कांग्रेस पर बरसे केजरीवाल, बोले- बेअदबी के मास्टरमाइंड को पकड़ा होता तो यह घटनाएं नहीं होती

चंडीगढ़। (एजेंसी)

पंजाब में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इससे पहले राजनीतिक दल मतदाताओं को लुभाने में जुटे हुए हैं। इसी बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को गुरुदासपुर में कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लुधियाना में कल बम धमाका हुआ। सुनकर काफी दुख हुआ। इस धमाके में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कुछ लोग जख्मी हो गए, जो अस्पताल में भर्ती हैं। इससे कुछ दिन पहले श्री गुरुग्रंथ साहिब की बेअदबी करने की कोशिश की गई। कुछ लोग पंजाब का माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। यह तमाम वारदातें चुनाव के समय पर ही क्यों होती हैं। उन्होंने कहा कि पिछली बार भी चुनाव से कुछ वक्त पहले मोड़ में बम धमाका हुआ था। इतना ही नहीं 2015 में बेअदबी कांड हुआ था और अब भी कुछ लोग पंजाब का माहौल खराब करने की साजिश की है। कौन हैं ये लोग ? कौन करवा रहा है यह ? उन्होंने कहा कि 2015 में हुए बेअदबी कांड में आज तक दोषियों को सजा नहीं मिली। पंजाब की सरकारें संदेश दे रही हैं कि ये चलता रहेगा, हम कुछ नहीं करेंगे और हम तुम्हारे साथ खड़े हैं। केजरीवाल ने कहा कि सरकारें बदल गईं लेकिन दोषियों को सजा नहीं मिली। उन्होंने कहा कि अगर शिअद, कांग्रेस सरकारों ने बेअदबी के मास्टरमाइंड को पकड़ा होता तो आज बेअदबी की घटनाएं ना होती। कांग्रेस की पंजाब सरकार कमजोर सरकार है जो दोषियों को पकड़ने की जगह आपस में ही लड़ने में लगी हुई है। आज पंजाब की सबसे ज्यादा जरूरत है कि आम आदमी पार्टी की सरकार बने। हम ईमारदार और स्थिर सरकार देंगे। उन्होंने कहा कि पूरे देश के भीतर महज आम आदमी पार्टी है जो ईमारदार सरकार देती है। दिल्ली में हमने करके दिखाया है, यहां भी करेंगे। वहीं केजरीवाल ने कहा कि पुलिस भर्ती पैसे ले-देकर होती है, हम इसे और पुलिस के कामकाज में दखल को बंद करेंगे। बेअदबी और बम ब्लास्ट के सभी पुराने कांड की जांच कराएंगे और

मास्टरमाइंड को जेल में चक्की पिसवाएंगे। बॉर्डर के एक-एक इंच की सुरक्षा करेंगे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

सचिव ने कहा- सहकारी समितियों का बनेगा डाटाबेस, इससे राष्ट्रीय नीति बनाने में होगी सहूलियत

नई दिल्ली। सहकारी समितियों में पारदर्शिता बढ़ाने और राष्ट्रीय नीति बनाने के लिए सरकार डाटाबेस तैयार करेगी। सहकारी सचिव डीके सिंह ने बृहस्पतिवार को बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल प्लेटफॉर्म के प्रसार के साथ सहकारी समितियों को भी मजबूत बनाने की जरूरत है। सचिव ने कहा, कई बार पूछा गया कि देशभर में कितनी सहकारी समितियां हैं और क्षेत्रवार उनकी संख्या कितनी है। वैसे तो हमारे पास कुछ आंकड़े हैं, लेकिन यह वैज्ञानिक रूप से पर्याप्त नहीं हैं। नया डाटाबेस भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संगठन (एनसीयूआई) एकत्र करेगा और मंत्रालय की इसमें कोई दखल नहीं होगी। मौजूदा आंकड़ों के अनुसार, अभी देशभर में 8.6 लाख समितियां हैं, जिसमें प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों की संख्या 63 हजार है। उन्होंने कहा कि लोगों को सहकारी मंत्रालय से काफी उम्मीदें हैं और आकंड़े इसे बेहतर बनाने में मददगार हो सकते हैं।

बजट में टीडीएस की दो ही दरें बनाए सरकार-एसोचैम

उद्योग संगठन ने सरकार से मांग की है कि 1 फरवरी को पेश होने वाले केंद्रीय बजट में टीडीएस नियमों को और सरल बनाया जाए। एसोचैम ने कहा, अभी स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) को लेकर 40 से ज्यादा धाराएं हैं और अलग-अलग भुगतान पर इसकी दरें भी भिन्न हैं। इससे कानूनी विवाद बढ़ता है। लिहाजा सरकार को टीडीएस की महज दो दरें रखनी चाहिए। यह 0.1 से 1 प्रतिशत तक हो सकती है। गुजरात के मुद्रा से पानीपत तक नई पाइपलाइन के लिए इंडियन ऑयल 9,028 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी ने बताया कि इस लाइन की क्षमता सालाना 1.75 करोड़ टन तेल पहुंचाने की होगी। कंपनी 60 हजार किलोलीटर क्षमता वाले 9 क्रूड टैंक बनाएगी।

6 दिन में 10 रैलियां और कई रोड शो...

योगी को दोबारा सीएम बनाने के लिए अमित शाह भरेंगे यूपी में हुंकार

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जल्द ही उत्तर प्रदेश की एक लंबी चुनावी यात्रा पर निकलेंगे, जिसमें विभिन्न जिलों में सार्वजनिक रैलियों और रोड शो आयोजित की जाएगी। अमित शाह का यूपी दौरा रविवार से शुरू होगा। राज्य भाजपा के एक पदाधिकारी के मुताबिक, 26 से 31 दिसंबर के बीच शाह 10 रैलियों और कई रोड शो में शामिल होंगे। पार्टी पहले से ही जन विश्वास यात्राएं निकाल रही है, जिसमें केंद्रीय मंत्री, भाजपा के राष्ट्रीय नेता, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्य सरकार के अन्य मंत्री हर दिन विभिन्न जिलों में कई जनसभाओं को संबोधित कर रहे हैं।

अमित शाह की रैलियों का उद्देश्य सरकार की उपलब्धियों के बारे में बात करने और विपक्ष पर हमला करने के अलावा जमीनी स्तर पर संगठनात्मक तंत्र को बढ़ावा देना होगा। पिछले महीने, शाह ने संगठन की व्यापक बैठक की अध्यक्षता की थी और उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र के अध्यक्षों को चुनाव प्रचार का मंत्र दिया था।

जनवरी के पहले सप्ताह तक अमित शाह कथित तौर पर 21 जनसभाओं को संबोधित कर चुके होंगे और 140 निर्वाचन क्षेत्रों को कवर कर चुके होंगे। प्रत्येक जनसभा में सात विधानसभा क्षेत्रों के भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक शामिल होंगे। आपको बता दें कि यूपी विधानसभा में कुल 403 निर्वाचन क्षेत्र हैं।

अमित शाह ने हाल ही में लखनऊ में निषाद पार्टी के साथ एक संयुक्त रैली की थी, जहां उन्हें अन्य पिछड़ी जातियों (ओबीसी) के वोटों के लिए एक मजबूत पिच बनाते देखा गया था। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनावी राज्य उत्तर प्रदेश में लगातार परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन कर रहे हैं।

अमित शाह की रैलियों का उद्देश्य सरकार की उपलब्धियों के बारे में बात करने और विपक्ष पर हमला करने के अलावा जमीनी स्तर पर संगठनात्मक तंत्र को बढ़ावा देना होगा। पिछले महीने, शाह ने संगठन की व्यापक बैठक की अध्यक्षता की थी और उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र के अध्यक्षों को चुनाव प्रचार का मंत्र दिया था।

यूपी में अमित शाह की भागीदारी महत्वपूर्ण है क्योंकि यूपी प्रभारी के रूप में यह उनकी जिम्मेदारी थी कि पार्टी ने लोकसभा की 80 सीटों में से 73 सीटें जीतीं। 2017 और 2019 दोनों चुनावों के दौरान, शाह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे।

महिलाओं के लिए नगर पालिकाओं में 50 फीसदी आरक्षण, विधानसभा में विधेयक पारित

गुवाहाटी। असम नगरपालिका (तीसरा संशोधन) विधेयक, 2021 का प्रस्ताव है कि किसी भी नगर पालिका में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों सहित प्रत्यक्ष चुनाव से भरी जाने वाली सीटों की कुल संख्या का 50 प्रतिशत महिलाओं के लिए आरक्षित होगा। असम म्यूनिसिपल एक्ट, 1956 में संशोधन के अनुसार, आरक्षित सीटें हर 10 साल में एक नगर पालिका में अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों में रोटेशन द्वारा आवंटित की जाएंगी। शहरी विकास मंत्री अशोक सिंघल ने कहा, एक वार्ड में 10 साल के लिए आरक्षण प्रदान करने का कदम महिलाओं को चुनाव की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करेगा और शहरी स्थानीय निकायों द्वारा लागू की गई योजनाओं में स्थिरता लाने में सक्षम होगा। विधानसभा ने गुवाहाटी नगर निगम (संशोधन) विधेयक, 2021 को भी पारित किया। इस विधेयक के अनुसार, पार्षदों के सीधे चुनाव में महिला आरक्षण के कार्यकाल को 10 साल तक बढ़ाया गया है। गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) अधिनियम, 1969 में संशोधन के तहत नियमों का उल्लंघन किए जाने पर कठोर दंड लगाने का भी प्रावधान किया गया है, क्योंकि दंड के अधिकांश प्रावधान अब उल्लंघनकर्ताओं के लिए निवारक के रूप में काम नहीं करेंगे। आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित तथ्यों के अनुसार, यह अधिनियम सरकार को आवश्यकता पड़ने पर जीएमसी के वार्डों की संख्या बढ़ाने का अधिकार भी देता है। सिंघल द्वारा पेश किए गए एक अन्य संशोधन विधेयक में यह प्रस्तावित किया गया है कि राज्य सरकार गुवाहाटी महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) के मुख्य अभियंता को अपने अधीन किसी भी विभाग के अधीक्षण अभियंता (सिविल) के पद से नीचे नहीं नियुक्त कर सकती है। इससे पहले, केवल राज्य पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता के पद से नीचे के अधिकारी ही जीएमडीए के मुख्य अभियंता के रूप में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं थे।

भारतीय विमानों और हवाई अड्डों में भारतीय संगीत बजाने का दिया गया सुझाव

नई दिल्ली। भारतीय संस्कृति और सभ्यता को बढ़ावा देने के लिए एक नई पहल की गई है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के पास इंडियन एयरलाइंस की सभी फ्लाइटों और देश के हवाई अड्डों पर भारतीय संगीत बजाना अनिवार्य करने का सुझाव आया है। भारतीय संस्कृति संबंध परिषद (आइसीसीआर) और संगीतज्ञों ने केंद्र सरकार से यह अपील की है। उनका तर्क है कि देश की परंपराओं को बल मिलेगा और लोगों से भावनात्मक जुड़ाव बढ़ेगा। आइये बताते हैं क्या है मामला।

आइसीसीआर ने मंत्री सिंधिया को पत्र सौंपा

इस संबंध में आइसीसीआर के अध्यक्ष विनय सहस्त्रबुद्धे और अन्य की ओर से केंद्रीय मंत्री सिंधिया को गुरुवार को एक पत्र सौंपा गया है। पत्र में कहा गया है कि भारत की एयरलाइनों में और एयरपोर्ट पर भारतीय

शास्त्रीय संगीत या सुगम संगीत या वाद्य यंत्र बजाने से लोगों का अपनी संस्कृति से जुड़ाव बढ़ेगा।

सहस्त्रबुद्धे ने केंद्रीय मंत्री से मुलाकात के बाद बताया कि उन्होंने इस सुझाव पर विचार करने को लेकर आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि हमने लोगों के मन की बात अपने सुझाव के रूप में उनके सामने रखी है। इस बैठक में मालिनी अवस्थी, वासिफुद्दीन डागर, संजीव अभयंकर जैसे गायक भी मौजूद थे। बताया जाता है कि केंद्रीय मंत्री ने भारतीय संगीत को बढ़ावा देने के लिए साहित्य महोत्सव की ही तरह संगीत महोत्सवों का भी आयोजन करने का सुझाव दिया है।

संगीत निर्देशक कौशल इनामदार ने कहा

भारतीय फ्लाइटों और हवाई अड्डों पर भारतीय संगीत बजाने के संबंध में गायक और संगीत निर्देशक कौशल इनामदार ने कहा कि यह विचार सिर्फ संगीत को बढ़ावा देने के विषय में नहीं, बल्कि भारतीयता का भी है। फिल्मों में संगीत देने वाले अनुमलिक ने भी इस विचार का स्वागत करते हुए कहा कि एयरलाइंस की सभी फ्लाइटों और देश के हवाई अड्डों भारतीय शास्त्रीय संगीत या सुगम संगीत या वाद्य यंत्र बजाने से भारतीय संगीत को बढ़ावा देने में मदद मिलेगा।

भारत में तीसरी लहर की आहट?

मूल वायरस के मुकाबले 318 प्रतिशत तेज गति से फैल रहा ओमिक्रॉन

नई दिल्ली। देश में कोरोना का नया वेरिएंट ओमिक्रॉन मूल वायरस के मुकाबले तीन गुना रफ्तार से फैल रहा है। भारत में नए वैरिएंट से संक्रमण का पहला मामला 2 दिसंबर को मिला था, लेकिन महज 19 दिन में ही इसकी चपेट में आने वालों की संख्या 200 हो गई। इसके विपरीत मूल कोरोना वायरस से संक्रमण के 200 मामले मिलने में 60 दिन लगे थे। इस लिहाज से ओमिक्रॉन के फैलने की दर मूल वायरस के मुकाबले 318 फीसदी है। ओमिक्रॉन ने इस दौरान जहां प्रतिदिन औसतन 10.5 लोगों को संक्रमित किया, वहीं शुरू के दो महीने के दौरान मूल वायरस से प्रतिदिन केवल 3.3 लोग संक्रमित हुए। देश में कोरोना संक्रमण का पहला मामला वर्ष 2020 में 30 जनवरी को दर्ज किया गया था। इसके बाद 1 अप्रैल, 2020 को कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़कर 200 हो गई। गौरतलब है कि ओमिक्रॉन का सबसे पहला मामला दक्षिण अफ्रीका में पाया गया था, इसके बाद से यह लगभग 100 देशों में फैल चुका है। यही वजह है कि भारत में इसके तेज प्रसार को देखते हुए तरह-तरह की आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं।

महाराष्ट्र-दिल्ली में ओमिक्रॉन के मामले सर्वाधिक-देश के 16 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों

में ओमिक्रॉन फैल चुका है। अब तक इससे 236 लोग संक्रमित हुए हैं, जिसमें से 106 लोग ठीक हो चुके हैं। महाराष्ट्र में सर्वाधिक 65 मामले मिले हैं, जबकि ओमिक्रॉन के 64 केस के साथ दिल्ली दूसरे नंबर पर है। तेलंगाना में 24, कर्नाटक में 19, राजस्थान में 21 और केरल में 15 नए मामले दर्ज किए गए हैं।

पश्चिमी विक्षोभ के कारण बदल सकता है मौसम का मिजाज, इन राज्यों में बारिश और बर्फबारी की चेतावनी

नई दिल्ली। हवाओं का रख बदलने से रात का तापमान धीरे-धीरे बढ़ने लगा है। इससे ठंड से कुछ राहत मिलने लगी है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक एक पश्चिमी विक्षोभ पाकिस्तान और उससे लगे जम्मू-कश्मीर पर सक्रिय है। इसके प्रभाव से पश्चिमी राजस्थान पर एक प्रेरित चक्रवात बन गया है। ईरान पर भी एक पश्चिमी विक्षोभ बना हुआ है। इसके अतिरिक्त 26 दिसंबर को भी एक पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर भारत की तरफ बढ़ने की संभावना है। इन सिस्टम के असर से उत्तर भारत के पहाड़ों पर बर्फबारी होगी। साथ ही 27 दिसंबर से दिल्ली, हिमाचल, उत्तराखंड, झारखंड, यूपी, मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं बादल छाने के साथ ही बौछारें पड़ने का सिलसिला शुरू होने के भी आसार हैं।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सहित पूरा उत्तर भारत कड़ाके की ठंड की चपेट में है और शीतलहर का प्रकोप जारी है। इस बीच

दिल्ली-एनसीआर में रहने वालों की मुसीबत बढ़ने वाली है, क्योंकि भारत मौसम विज्ञान विभाग ने क्रिसमस के बाद दिल्ली में 27 और 28 दिसंबर को हल्की बारिश की संभावना जताई है। इसके साथ ही हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी को लेकर भी अलर्ट जारी किया गया है। पश्चिमी विक्षोभ के असर से उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में बारिश होने की संभावना। बारिश के बाद ठंड में होगी बढ़ोतरी। हिमाचल प्रदेश में शुक्रवार को पांच जिलों चंबा, किन्नौर कुल्लू, लाहुल-स्पीति और शिमला के कुछ क्षेत्रों में हिमपात और बारिश की संभावना। सुबह-शाम के तापमान में कमी आएगी, ठंड बढ़ेगी। मैदानी क्षेत्रों में कोहरा छा सकता है। मौसम विभाग ने 26 व 27 दिसंबर को भारी हिमपात व बारिश की चेतावनी दी।

दिल्ली में 27-28 दिसंबर को बारिश का अनुमान

आईएमडी के वैज्ञानिक आरके जेनामणि ने कहा कि 24 दिसंबर से पश्चिमी विक्षोभ के कारण दिल्ली में आसमान में बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में 26-27 दिसंबर तक बारिश का भी अनुमान है। जिसके बाद तापमान में गिरावट आ सकती है।

उत्तराखंड में करवट बदल सकता है मौसम-उत्तराखंड में कड़ाके की ठंड जारी है। मैदानी क्षेत्रों में कोहरा और पर्वतीय इलाकों में पाला दुश्वारी बढ़ा रहा है। गुरुवार को मैदानों में सुबह बादलों का डेरा रहा। कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी भी हुई। इससे ठंड में इजाफा हो गया। हालांकि, दोपहर होते-होते आसमान साफ हो गया और फिर चटख धूप खिली रही। मौसम विभाग के अनुसार ताजा पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के चलते शनिवार से प्रदेश में मौसम करवट बदल सकता है।

कश्मीर से भी ज्यादा नाजुक पंजाब, खुफिया एजेंसियों ने जताई आशंका; अभी और आतंकी हमले हों सकते हैं

नई दिल्ली। पंजाब में चुनाव से पहले और भी आतंकवादी हमले हो सकते हैं। जी हां, यह वार्निंग किसी और ने नहीं बल्कि खुफिया एजेंसियों ने दी है। खुफिया एजेंसियों ने पंजाब पुलिस को अलर्ट करते हुए कहा है कि वो सुरक्षा के कड़े उपायों पर ध्यान दे और सोशल मीडिया पर बारिकी से नजर रखें। गुरुवार को लुधियान के एक कोर्ट में हुए हमले के बाद खुफिया एजेंसियों का यह अलर्ट बेहद अहम है।

कश्मीर से ज्यादा नाजुक पंजाब

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि कई सुरक्षा सलाहकारों ने आतंकी गतिविधियों को लेकर राज्य की पुलिस को अलर्ट किया है। हालात पर बारिकी से नजर रखने के साथ-साथ राज्य पुलिस फिलहाल खुफिया एजेंसियों के साथ तालमेल बैठा कर काम कर रही है। स्थानीय इंटेलिजेंस यूनिट को अलर्ट कर दिया गया है और हर छोटी-बड़ी घटना पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा, हमने राज्य खुफिया विभाग से जुड़े अफसरों के साथ एक बैठक की है। हमने उन्हें राज्य में आतंकी गतिविधियों को लेकर अलर्ट किया है। हमने उनसे कहा है कि वो सोशल मीडिया पर बारिकी से नजर रखें और किसी भी तरह की अफवाह पर तुरंत ऐक्शन लें। इस वक्त पंजाब कश्मीर से ज्यादा नाजुक हो चुका है।

ड्रोन से गिराए गए हैं हथियार

वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पंजाब से लगे

भारतीय सीमा के पास पिछले कुछ दिनों में काफी ड्रोन देखे गये हैं। ड्रोन की मदद से हथियार और असलहे भारतीय सीमा में गिराए गए हैं। ऐसी आशंका है कि इन हथियारों और असलहों का इस्तेमाल राज्य की शांति व्यवस्था को बिगाड़ने के लिए किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि ड्रोन से कई अज्ञात जगहों पर हथियार गिराए जाने की आशंका है और इनका इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों में किया जा सकता है।

लुधियाना में ब्लास्ट किसकी साजिश?

बता दें कि लुधियाना जिला अदालत परिसर में गुरुवार को हुए धमाके से दो लोगों की मौत हो गई। इस जोरदार धमाके में पांच अन्य लोग जख्मी भी हुए हैं। यह धमाका जिला अदालत की दूसरी मंजिल पर वॉशरूम में दोपहर करीब 12 बजकर 22 मिनट के आसपास हुआ। कोर्ट के दूसरे माले पर करीब 8 कमरे हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर इलाके की घेराबंदी की और कोर्ट परिसर को खाली भी करवा दिया।

घायलों में से एक की पहचान एडवोकेट आरएस मांद के तौर पर हुई है। इस धमाके के बाद आशंका जताई जा रही है कि लुधियाना के कोर्ट परिसर में हुई ब्लास्ट में खालिस्तानी आतंकवादियों का हाथ हो सकता है। पंजाब के कई राजनेता कह चुके हैं कि यह धमाका राज्य में चुनावी माहौल और शांति व्यवस्था को बिगाड़ने की एक कोशिश हो सकती है। इस ब्लास्ट की हर एंगल से जांच की जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस घटना की रिपोर्ट भी मांगी है।

मारा गया था घुसपैठिया

इस धमाके के अलावा अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में हुई बेअदबी की 2 घटनाएं और फिर लिंचिंग ने भी पुलिस की पेशानी पर बल ला दिया है। इधर हाल ही में भारत-पाक सीमा के पास गुरदासपुर सेक्टर में बीएसएफ ने एक घुसपैठिये को ढेर किया था। बताया जा रहा है कि वो भारतीय सीमा पार करने की कोशिश में ढेर हुआ था।

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे
अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com